{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 29 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 214
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 76,886.91
निफ्टी - 23,995.70
सोना - 1,50,930
चांदी - 2,60,000
डॉलर - 94.63

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

नई दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुई आप सांसाद स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। नई दिल्ली में मंगलवार को एक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। जहां आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में भाजपा नेताओं की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद रहे। बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। अपने बयान में उन्होंने यह दावा किया कि जब वे दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत थीं, तब उन्होंने निष्पक्ष तरीके से काम किया और उस दौरान उन्हें विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन है।

भुज में ओवैसी की पार्टी ने जीती 3 सीटें

अहमदाबाद। भुज नगरपालिका में सांसाद असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का खाता खुला है। भुज नगर पालिका में एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को तीन सीटों पर जीत मिली है। इन चुनावों में सबसे ज्यादा 9237 प्रत्याशी बीजेपी के चुनाव निशान पर मैदान में हैं। कांग्रेस ने 8443 उम्मीदवार उतारे हैं। आम आदमी पार्टी के सिंबल पर भी 5261 उम्मीदवार हैं।

नितेश राणे को एक महीने की जेल की सजा, मामले के समय राणे कांग्रेस में थे

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई। सिंधुदुर्ग कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाकर उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी किया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने एनएचएई के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौड़ीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर मंत्री राणे नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरे पानी में चलने के लिए मजबूर किया। तब नितेश राणे कांग्रेस में थे। अभी वह भाजपा में हैं और महाराष्ट्र सरकार में मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री हैं।

गुजरात में फिर लहराया भगवा

सभी 15 नगर निगम सीटों पर बीजेपी का कब्जा

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का पूरी तरह से सफाया

अहमदाबाद। एजेंसी।

गुजरात निकाय चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी ने फिर अपना दबदबा साबित किया है। गुजराज राज्य की सभी 15 नगर निगम सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं और बीजेपी ने सभी नगर निगमों में जीत दर्ज क्लीन स्वीप किया है। अहमदाबाद नगर निगम में पार्टी ने 192 में से 158 सीटों पर कब्जा जमाकर शहरी राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ दिखाई है। इस जीत के साथ बीजेपी ने साफ संकेत दे दिया है कि गुजरात में उसकी संगठनात्मक ताकत अब भी बेहद मजबूत है।

राजकोट में भी बीजेपी का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा, जहां नगर निगम की 72 सीटों में से बीजेपी ने 65 सीटें जीत लीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 7 सीटे ही जीत सकी। आप यहां खाता तक नहीं खोल सकी। वहीं, राजकोट जिला पंचायत की 36 सीटों में बीजेपी ने 34 सीटें जीतकर विपक्ष को पूरी तरह से साफ कर दिया।

तालुका पंचायतों में भी बीजेपी का दबदबा दिखाई दिया। धोराजी, जेतपुर, गोंडल, कोटड़ा सांगाणी, लोढिका, पडधरी, जसदण, विंछिया और जामकंडोरना सहित ज्यादातर पंचायतों में बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की। उपलेटा में मुकाबला बेहद कांटे का रहा और नतीजा टाई पर खत्म हुआ। कुल मिलाकर बीजेपी ने 11 में से 10 तालुका पंचायतों में जीत हासिल की। सबसे बड़ी जीत गोंडल सिविक बॉडी में देखने को मिली, जहां बीजेपी ने सभी 44 सीटों पर कब्जा किया। कांग्रेस और आप यहां एक भी सीट नहीं जीत सकीं। पूरे राजकोट जिले में बीजेपी ने 202 में से 155 सीटें जीतकर अपनी मजबूत पकड़ और संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

वहीं बीजेपी ने अहमदाबाद नगर निगम में शानदार जीत हासिल की है। पार्टी ने 192 में से 158 सीटें जीतकर गुजरात के सबसे बड़े शहर में अपना वर्चस्व कायम रखा। इस जीत का पैमाना शहरी स्तर पर सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में मिले निर्णायक जनादेश को दिखाता है। इस नतीजे के साथ, बीजेपी ने अब राज्य के सभी 15 नगर निगमों में क्लीन स्वीप कर लिया है, जिससे पूरे गुजरात में स्थानीय निकायों में उसकी लगातार चुनावी ताकत साबित होती है। बीजेपी ने सूरत नगर निगम में ज़बरदस्त जीत दर्ज की है। पार्टी ने 127 में से 115 सीटें जीतकर इस निकाय पर अपनी पुरानी पकड़ और मज़बूत किया है। आप सिर्फ 4 सीटें ही जीत सकी, जबकि कांग्रेस ने पांच साल बाद 1 सीट जीतकर अपना खाता खोला। यह नतीजा आप के लिए एक बड़ी गिरावट दिखाता है, जिसने पिछले चुनाव में 27 सीटें जीती थीं।

ममता के आपत्तिजनक कैरिकेचर पर चुनाव आयोग सख्त

पुलिस को दिए कार्रवाई के निर्देश, वोटिंग से पहले सोशल मीडिया पोस्ट पर बढ़ी निगरानी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले चुनावी माहौल और गरमा गया है। चुनाव आयोग ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया पर किए जा रहे आपत्तिजनक पोस्ट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यह कदम ममता बनर्जी को निशाना बनाकर बनाए गए एक कथित आपत्तिजनक कैरिकेचर के सामने आने के बाद उठाया गया है। मामला तब तूल पकड़ा जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट साझा करते हुए आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के एक बीजेपी समर्थक ने मुख्यमंत्री का अपमानजनक और अश्लील कैरिकेचर बनाया था। पार्टी के अनुसार, इस पोस्ट के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद संबंधित सामग्री को हटा लिया गया। चुनाव आयोग ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए राज्य पुलिस और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की भड़काऊ, अपमानजनक या आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली ऑनलाइन सामग्री पर तुरंत कार्रवाई की जाए। आयोग का मानना है कि इस तरह की गतिविधियां चुनावी माहौल को प्रभावित कर सकती हैं और मतदाताओं को भ्रमित कर सकती हैं। उधर, दूसरे चरण के मतदान के लिए प्रचार सोमवार शाम को समाप्त हो गया। 29 अप्रैल को राज्य की 142 सीटों पर मतदान होना है, जिसे इस चुनाव का निर्णायक चरण माना जा रहा है। इस चरण के नतीजे राज्य की सत्ता की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। प्रचार के अंतिम दिन ममता बनर्जी ने दक्षिण कोलकाता में जोरदार रोड शो किया।

कांग्रेस की मांग महिला आरक्षण कानून को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाए केंद्र सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने फिर केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन को लेकर दबाव बनाया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि अब जब चुनावी प्रचार समाप्त हो चुका है, इसके बाद मोदी सरकार को इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और बिल को 2029 से लागू करने की प्रक्रिया पर स्पष्टता देनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि वे महिला सशक्तिकरण के नाम पर राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ा रहे हैं, जबकि वास्तविक उद्देश्य महिलाओं को त्वरित न्याय देना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को महिलाओं को राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का कहना है कि वे लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर चुनावी राजनीति से अलग होकर सर्वदलीय चर्चा की जाए। उनका आरोप है कि मोदी सरकार ने हाल ही में बजट सत्र के दौरान जो संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था, उसमें महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने और परिसीमन से जोड़ने का प्रयास किया गया, जिसका विपक्ष ने विरोध किया। विपक्ष का तर्क है कि परिसीमन को महिला आरक्षण के साथ जोड़ना एक तरह से बिल को टालने या जटिल बनाने की रणनीति है। इसकारण विधेयक संसद में पारित नहीं हुआ। कांग्रेस का कहना है कि महिला आरक्षण का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब बिल को मौजूदा लोकसभा सीटों की संरचना के साथ बिना देरी लागू किया जाए। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण कभी मुख्य एजेंडा नहीं था, बल्कि असली फोकस परिसीमन पर था। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री मोदी आगे आकर विपक्ष की मांगों पर विचार करें और महिलाओं को उनका अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाएं। कुल मिलाकर, यह मुद्दा फिर राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है, जहां सरकार और विपक्ष के बीच महिला आरक्षण को लागू करने के समय और प्रक्रिया को लेकर मतभेद स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं।

देश को विकसित बनाने में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका-मोदी

वाराणसी। एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 6332 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद 'नारी वंदन सम्मेलन' को सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भारत की नारी शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक नए युग की शुरुआत के लिए माताओं-बहनों का आशीर्वाद लेने आए हैं। साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाते हुए महिला आरक्षण को लागू करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में लंबे समय तक महिलाएं उपेक्षित रहीं। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाओं से सवाल तक नहीं पूछे जाते थे और सीधे निर्णय थोप दिए जाते थे। यह स्थिति केवल काशी ही नहीं, बल्कि देश के अधिकांश हिस्सों में बहन-बेटियों का अनुभव रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह करीब 25 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने इस सोच को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कीं, जिससे अधिक से अधिक लड़कियां स्कूल पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश की माताओं-बहनों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया, तब से भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नगरी माता श्रृंगार गौरी, माता अन्नपूर्णा, माता विशालाक्षी, माता संकट मोचन की शक्ति और मां गंगा की पावन धारा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि पर बहनों का यह विशाल समागम कार्यक्रम को और अधिक दिव्य बना रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी की महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है। उन्होंने बताया कि इस दौरान हजारों करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, जो क्षेत्र के विकास को नई गति देंगे। प्रधानमंत्री ने काशी और अयोध्या के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने वाले कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि काशी से पुणे और अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू की गई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से आम जनता को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे महाराष्ट्र के लोगों को काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या आने के लिए एक आधुनिक और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

जंग शुरु होने के बाद पहली बार हॉर्मुज स्ट्रेट से निकाला एलएनजी टैंकर

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच जंग शुरू होने के बाद से पहली बार हॉर्मुज स्ट्रेट से कोई लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) टैंकर निकलने में सफल रहा है। यह जानकारी शिप ट्रैकिंग डेटा के हवाले से दी गई। डेटा के मुताबिक, मार्च की शुरुआत में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के दास द्वीप प्लांट से एनएनजी लोड करने वाला टैंकर मुबाराज भारत के दक्षिणी छोर से गुजरा है। रिपोर्ट में बताया गया कि तनाव के कारण एलएनजी टैंकर कई हफ्तों तक फारस की खाड़ी में रहा और ट्रांसमिशन सिग्नल 31 मार्च के करीब बंद हो गए हैं, इसके बाद भारत के करीब आने पर सिग्नल फिर से शुरू हुए। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से हॉर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही करीब बंद है। फारस की खाड़ी में मौजूद इस संकरे रास्ते से करीब दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल और गैस का निर्यात होता है। तनाव के कारण ईरान ने हॉर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह ब्लॉक किया है। वहीं, अमेरिका ने भी हॉर्मुज स्ट्रेट से आने-जाने वाले ईरानी जहाजों को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया है। डेटा में बताया गया कि एलएनजी टैंकर मुबाराज का गतंव्य स्थान चीन है और इसके 15 मई तक पहुंचने का अनुमान है। हाल के हफ्तों में कतर से एलएनजी ले जाने वाले कई जहाज हॉर्मुज स्ट्रेट के पास पहुंचे थे, लेकिन लगातार भू-राजनीतिक तनाव के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा।

हरियाणा के युवक की टेक्सास में आग में जिंदा जलने से मौत

करनाल। हरियाणा के एक युवक की टेक्सास शहर में फूड स्टोर में लगी आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में पंजाब के मोहाली निवासी स्टोर मालिक विक्रांत की भी मौत हुई। जब आग लगी, तब युवक और स्टोर मालिक दोनों अंदर सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी और पूरा स्टोर भी जलकर खाक हो गया। मृतक की पहचान करनाल के गंगाटेहड़ी गांव निवासी सुखविंद्र सिंह (22) के रूप में हुई है। वह परिवार का इकलौता बेटा था। परिजनों ने करीब 50 लाख रुपए खर्च कर युवक को डंकी रूट के जरिए अमेरिका भेजा था।

राहुल गांधी नागरिकता मामले में अब जस्टिस मनीष माथुर करेंगे सुनवाई

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अब न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ सुनवाई करेगी। मंगलवार को यह मामला न्यायमूर्ति मनीष माथुर के समक्ष सूचीबद्ध हुआ।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने कोर्ट से मामले में आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने याची के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख तय की है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एफ आई आर दर्ज करने की मांग की है। पहले, उनकी याचिका लखनक की एमपी-एमएलए अदालत से खारिज हुई थी।

इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के पास उन्होंने मौजूदा याचिका दाखिल की थी। इसी 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने खुली अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने और मामले की जांच कराने का मौखिक आदेश राज्य सरकार को दिया था। अगले ही दिन आए आदेश में अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इसको लेकर कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में जज का जिक्र नहीं किया था।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा

आप के 7 सांसदों का एनडीए में स्वागत, टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के आप छोड़ने और बीजेपी में शामिल होने को लेकर विपक्षी दल कदम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं बीजेपी और उसके सहयोगी दल उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। इस कड़ी में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बीजेपी में आने वाले सांसदों का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आप से बीजेपी में शामिल हुए 7 राज्यसभा सदस्यों का स्वागत किया। रिजिजू ने कहा कि उन सांसदों ने सदन ने न कभी अपशब्दों का प्रयोग किया न अनुशासनहीनता की। यह घटना तब हुई, जब राज्यसभा ने सोमवार को पार्टी पदों की एक नई सूची जारी की, क्योंकि आप के सात सदस्यों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल की घोषणा की थी।

इस बदलाव से सदन में बीजेपी का प्रतिनिधित्व 107 से बढ़कर 113 हो गया, जबकि आप का प्रतिनिधित्व घटकर तीन बचा। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पोस्ट कर लिखा कि राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 7 आप सांसदों के बीजेपी में आना स्वीकार किया है। अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं।

संसद में इन सभी सांसदों के आचरण की प्रशंसा कर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 सांसदों ने कभी अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया है और न ही कभी किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या असंसदीय आचरण का प्रदर्शन किया है। एनडीए में आपका स्वागत है और टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा।

संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार, इस 1985 में 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था, सदस्य दल-बदल नहीं कर सकते, हालांकि, विलय के लिए अपवाद है। यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई निर्वाचित सदस्य किसी अन्य पार्टी में विलय करने के लिए सहमत होते हैं, तब वे अयोग्य नहीं ठहराए जाते, न ही वे सदस्य अयोग्य ठहराए जाते हैं जो मूल पार्टी में बने रहने का विकल्प चुनते हैं।

कुछ ना कहना

भारत पहुंची यूएनजीए अध्यक्ष बेयरबॉक ने विदेश मंत्री जयशंकर से की मुलाकात

वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक इन दिनों भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने मंगलवार को नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मुलाकात के बाद जानकारी साझा कर बताया कि उन्होंने बेयरबॉक के साथ संयुक्त राष्ट्र के 80वें सत्र, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस दौरान बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि यह वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं, खासकर ग्लोबल साउथ की जरूरतों को बेहतर तरीके से प्रतिबिंबित कर सके।

बैठक के दौरान पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष की स्थिति पर भी विचार-विमर्श हुआ। हालांकि विस्तृत कूटनीतिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, लेकिन दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के महत्व को रेखांकित किया।

अपने भारत दौरे के दौरान बेयरबॉक ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों के साथ भी इंटरएक्टिव सत्र में भाग लिया। इस सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के शासन, उसके नियमन और भविष्य में इसके प्रभावों पर चर्चा हुई। भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच तकनीकी सहयोग और डिजिटल गवर्नेंस को लेकर भी विचार साझा किए गए।

इसके अलावा, उन्होंने नई दिल्ली में राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। विदेश मंत्रालय ने इसे बापू के विचारों के प्रति सम्मान बताते हुए उनके भारत आगमन की शुरुआत को प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण बताया।

बेयरबॉक भारत के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर आई हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह दौरा संयुक्त राष्ट्र और भारत के बीच मजबूत होते सहयोग का प्रतीक है। उनकी इस यात्रा के दौरान संयुक्त राष्ट्र टीम के साथ भी बैठकें निर्धारित हैं, जिनका नेतृत्व भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर कर रहे हैं। भारत यात्रा के बाद एनालेना बेयरबॉक का अगला पड़ाव चीन होगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

110 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, संयुक्त कलेक्टर श्री एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 110 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील की निवासी शीला बाई बर्वे शहर एवं नहर के पानी की निकासी के लिए बने नाले और प्राकृतिक रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग लेकर आयी थी। शीलाबाई का कहना था कि बीड़ी कॉलोनी, एरिगेशन कार्यालय के पीछे जल निकासी मार्ग पर हुए अतिक्रमण से स्थानीय रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जल निकासी मार्ग के आसपास कुछ लोगों द्वारा मिट्टी और मुरम डालकर भराव कर दिया गया है, जिससे नाला संकरा हो गया है और कई स्थानों पर जल प्रवाह बाधित हो रहा है। अतः जल निकासी मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को शीघ्र हटाया जाए तथा नाले की साफ-सफाई और चौड़ीकरण कराया जाए, ताकि शहर एवं नहर के पानी का सुचारु रूप से निकास हो सके। इस प्रकरण में सीएमओ वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

लालबर्रा तहसील के ग्राम पाथरी निवासी गेंदलाल घोड़ेश्वर भू-स्वामित्व अधिकार अभिलेख में अपनी पत्नी का नाम जोड़े जाने की मांग लेकर आए थे। गेंदलाल का कहना था कि वह निस्संतान एवं विकलांग है तथा उसके अधिकार अभिलेख में केवल उसी का नाम अंकित है। अतः उसने प्रशासन से मांग की है उसके अधिकार अभिलेख में उसकी पत्नी का नाम जोड़ा जाए। इस प्रकरण में लालबर्रा तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम सर्रा निवासी मंगुलाल ठाकरे पटवारी द्वारा सीमांकन नही किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। मंगुलाल का कहना था कि उसकी भूमि का सीमांकन करने का आदेश 23 अक्टूबर 2025 को जारी किया गया है, किंतु अब तक पटवारी द्वारा उसकी भूमि का सीमांकन नही किया गया है। अतः शीघ्र भूमि का सीमांकन किया जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गांव के पीएम आवास योजना के हितग्राही योजना की दूसरी किश्त न मिलने की शिकायत लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना में उनके आवास स्वीकृत किये गए थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किश्त उनके खाते में आ चुकी है जिसके बाद गृह निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया गया था, किंतु अब तक उन्हें योजना की दूसरी किश्त प्राप्त नही हो पायी है, जिसके कारण गृह निर्माण का कार्य रूक गया है। अतः योजना अंतर्गत हितग्राहियों को शीघ्र योजना की दूसरी किश्त प्रदान की जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बिरसा तहसील के ग्राम बीजाटोला निवासी मुकेश धुर्वे समग्र पोर्टल में दर्ज मृत्यु तिथि में शीघ्र सुधार करवाने की मांग लेकर आए थे। मुकेश का कहना था कि उसकी माता तुलसा धुर्वे की मृत्यु 15 नवम्बर 2025 को हो चुकी है, किंतु समग्र पोर्टल में ग्राम सहायक सचिव द्वारा मृत्यु तिथि 06 अक्टूबर 2024 दर्ज की गई है। जिसके कारण उसे अंत्येष्टि राशि एवं अनुग्रह सहायता राशि जैसी योजना का लाभ प्राप्त नही हो पाया है। अतः मुकेश की माता की मृत्यु तिथि में शीघ्र सुधार किया जाए जिससे की उसे योजना का लाभ प्राप्त हो सके। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बिरसा को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम गर्रा निवासी रचना सिंगमारे सुमित पोहा मिल से निकलने वाले अपशिष्ट की वजह से होने वाली समस्या के संबंध में शिकायत लेकर आयी थी। रचना का कहना था कि वार्ड नं.12 हरिओम नगर गर्रा में स्थित सुमित पोहा मिल से प्रतिदिन धान का जला राख उड़कर उनके एवं आसपास के घरों में आता है, जिससे की आंखो मे जलन एवं सांस लेने में परेशानी जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में वारासिवनी निवासी योगेश देवेश्वर पिता के सेवा निवृत्ति उपरांत सेवा लाभ ग्रेच्यूटी एवं अवकाश समर्पण राशि का भुगतान नही किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। योगेश्वर देवेश्वर का कहना था कि उनके पिता स्व. श्री पुनमचंद देवेश्वर जनपद पंचायत कटंगी में सहायक ग्रेड-03 के पद पर कार्यरत थे तथा वे 31 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त हो चुके है किंतु अब तक उन्हें सेवा लाभ ग्रेच्यूटी एवं अवकाश समर्पण राशि का भुगतान नही किया गया है। योगेश ने बताया कि उनका परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। अतः उन्हें शीघ्र राशि का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ कटंगी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

भरवेली के वार्ड नं.10 की निवासी शकुंतला खुरसेल अपने नाती की सीएम राईस स्कूल में एडमिशन दिलाने की मांग लेकर आयी थी। शकुंतला का कहना था कि उसके नाती सुभाष लंगोटे द्वारा कक्षा 08वीं की परीक्षा बिजलेंस स्कूल भरवेली से निःशुल्क शिक्षा अध्ययन करते हुये प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण किया है और अब वह 09वीं कक्षा से सीएम राईस स्कूल में अध्ययन करना चाहता है। शकुंतला ने बताया कि वह उसे अध्ययन करवाने में सक्षम नही है अतः उसने जिला प्रशासन से मांग की है कि उसके नाती का सीएम राईज स्कूल में एडमिशन करवाया जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

भरवेली के ग्राम हीरापुर की सूरजकुमारी अपने पति जैराम भलावी को दोबारा से उनकी नौकरी दिलवाने की मांग लेकर आयी थी। सूरजकुमारी का कहना था कि उसके पति जैराम भलावी मॉयल लिमिटेड बालाघाट में कार्यरत थे। जैराम की तबियत खराब होने के कारण वह कुछ समय अपने कार्य से अनुपस्थित रहे। वहीं जब मॉयल से समय समय पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया तब तब जैराम द्वारा जवाब बनाकर पेश किया गया, किंतु मॉयल द्वारा जवाब पर असंतुष्टि जताते हुए जैराम को निष्कासित कर दिया गया। सूरजकुमारी का कहना है कि उसके पति को एक और मौका दिया जाए। इस प्रकरण में जिला श्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम बम्हनी निवासी सावित्री मरठे मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। सावित्री का कहना था कि वह एक दिव्यांग महिला है तथा उसे दिव्यांगजन का पेंशन राशि 600 रुपए प्राप्त होता है। सावित्री का कहना था कि उसे लाडली बहना योजना के तहत पंजीयन किया गया है और योजना की राशि भी प्रदान की जाती थी। किंतु विगत एक वर्ष से लाडली बहना योजना की राशि प्राप्त नही हो रही है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

कटंगी तहसील अंतर्गत ग्राम आगरी निवासी उपेंद्र देहलींगे ग्रामीण कोटा कटंगी से लोन जमा करने में कुछ दिनों का समय देने की मांग लेकर आये थे। उपेंद्र का कहना था कि उसने दुकान के लिए लोन ग्रामीण कोटा कटंगी से एक लाख रुपए का लोन लेकर दुकान शुरू किया था, किंतु उनकी दुकान एक ट्रक हादसे में सामान सहित तबाह हो गई। उपेंद्र की दुकान उसकी आय का एक मात्र साधन थी जो कि उसके परिवार का भरण पोषण का सहारा थी। अतः उपेंद्र को लोन की राशि जमा करने में कुछ समय और दिया जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खराब ट्रांसफॉर्मर से सिंचाई ठप, जनसुनवाई में पहुंचे कनकी के किसान

30 एकड़ में लगी रबी धान की फसल सूखने की कगार पर, जल्द ट्रांसफॉर्मर बदलने की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत कनकी के किसान मंगलवार को बड़ी संख्या में जनसुनवाई में पहुंचे और अपनी समस्या को लेकर प्रशासन को आवेदन सौंपा। किसानों ने बताया कि गांव के एक दर्जन से अधिक किसानों की करीब 30 एकड़ भूमि में रबी सीजन की धान फसल लगी हुई है, जो अब सिंचाई के अभाव में सूखने की कगार पर पहुंच गई है। किसानों के अनुसार बीते एक सप्ताह से उनके खेतों में विद्युत आपूर्ति करने वाला ट्रांसफॉर्मर खराब पड़ा है, जिसके कारण सिंचाई कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। समय पर पानी नहीं मिलने से फसल को भारी नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों ने प्रशासन से जल्द से जल्द खराब ट्रांसफॉर्मर को सुधारने और नया ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की है, ताकि उनकी फसल बचाई जा सके। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मंगलवार को शहर से से लगी पंचायत कनकी के कुछ किसान अपनी समस्या लेकर मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जनसुनवाई में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर खराब ट्रांसफार्मर को जल्द बदलने और विद्युत व्यवस्था सुधारने की मांग की। किसानों का कहना है कि ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण खेतों में सिंचाई पूरी तरह बंद हो गई है, जिससे उनकी धान की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है। किसान यादव राव चौधरी और रेखालाल ने बताया कि उनके गांव में करीब 12 किसानों ने रबी

सीजन में लगभग 30 एकड़ भूमि पर धान की फसल लगाई है। किसानों ने भारी लागत और कड़ी मेहनत से फसल तैयार की है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से खेतों से जुड़े ट्रांसफार्मर में अत्यधिक लोड के कारण वह खराब हो गया है। ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली आपूर्ति बंद हो गई और खेतों में सिंचाई रुक गई है। किसानों ने बताया कि धान की फसल को इस समय नियमित पानी की आवश्यकता है, लेकिन बिजली नहीं मिलने के कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे फसल धीरे-धीरे सूखने लगी है और यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले कुछ दिनों में पूरी फसल खराब हो सकती है। उन्होंने बताया कि गांव के कई किसानों ने फसल लगाने के लिए कर्ज भी लिया है। ऐसे में यदि फसल नष्ट होती है तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा और कर्ज चुकाना भी मुश्किल हो जाएगा। किसानों ने यह भी बताया कि यह पहली बार नहीं है जब ट्रांसफार्मर खराब हुआ हो। इससे पहले भी करीब छह बार ट्रांसफार्मर खराब हो चुका है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में लगातार अधिक लोड की समस्या बनी रहती है, लेकिन विद्युत विभाग इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। यदि विभाग समय रहते लोड प्रबंधन की व्यवस्था कर दे तो ऐसी स्थिति बार-बार उत्पन्न नहीं होगी। गौरतलब है कि इन दिनों जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली लोड की समस्या सामने आ रही है। लगातार बिजली बाधित होने और ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायतें अलग-अलग क्षेत्रों से मिल रही हैं, जिससे ग्रामीण और किसान दोनों परेशान हैं। मंगलवार 28 अप्रैल को किसान जनसुनवाई में पहुंचे और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया और बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

मोतीनगर उपकेंद्र की बिजली 36 घंटे में बहाल, विभाग की तत्परता का उत्कृष्ट उदाहरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 27 अप्रैल 2026 की रात्रि में नगरीय क्षेत्र बालाघाट के मोतीनगर विद्युत उपकेंद्र का एक पावर ट्रांसफार्मर अत्यधिक ओवरलोड के कारण अचानक फेल हो जाने से शहर के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए विद्युत विभाग ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए अन्य

ट्रांसफार्मरों पर लोड डायवर्ट किया, जिससे अधिकांश क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति यथासंभव जारी रखी गई, हालांकि कुछ स्थानों पर अस्थायी रूप से कम वोल्टेज की समस्या बनी रही। मामले की जानकारी मिलते ही मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र श्री ए.के. गिरिया के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अधीक्षण अभियंता बालाघाट श्री अमित कुमार के नेतृत्व में कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्हरे तथा कार्यपालन अभियंता (एसटीसी/एसटीएम) चंद्रहास चंद्राकर के समन्वय से विभागीय टीम ने तुरंत नया पावर ट्रांसफार्मर मंगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। भारी भरकम ट्रांसफार्मर की स्थापना में मार्ग में मौजूद विद्युत लाइनों एवं अन्य तकनीकी बाधाओं के बावजूद टीम ने लगातार प्रयास जारी रखे और महज 36 घंटे के भीतर मोतीनगर उपकेंद्र में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति सफलतापूर्वक बहाल कर दी। इस कार्य में सहायक अभियंता शहर अंकित मार्को, हुकुमचंद यादव, शैलेंद्र पटले एवं कनिष्ठ अभियंता अविनाश देशमुख सहित विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। विपरीत परिस्थितियों में भी विद्युत व्यवस्था को संतुलित बनाए रखते हुए शीघ्र बहाली सुनिश्चित करना विभाग की कार्यकुशलता, बेहतर समन्वय और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विद्युत विभाग बालाघाट ने एक बार फिर साबित किया है कि आपात स्थिति में भी उपभोक्ताओं को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए विभाग सदैव तत्पर और सजग है।

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 9425138670

ललित बाघरेचा 9424765679

दहेज के लिए गर्भवती नवविवाहिता को घर से निकाले- ससुराल पक्ष पर केस दर्ज

पति ने कुर्सी से मारा- बीच-बचाव में बहन भी घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दहेज प्रताड़ना का एक गंभीर मामला सामने आया है। जहा ग्राम चमन टोला (लामता)मायके पहुचीं 22 वर्षीय नवविवाहिता आरती साहू ने अपने पति, सास और ससुर पर मोटरसाइकिल की मांग को लेकर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। यह नव विवाहिता चार माह की गर्भवती है। लामता पुलिस ने शिकायत पर नव विवाहिता आरती साहू के जिला सिवनी के ग्राम ग्वारी सालीवाडा (केवलारी) निवासी उसके पति निलेश साहू, सास सावित्री साहू और ससुर शिवकुमार साहू के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरती साहू का विवाह 12 अप्रैल 2025 को सिवनी जिले के केवलारी तहसील अंतर्गत ग्राम ग्वारी सालीवाड़ा निवासी निलेश साहू के साथ परसवाड़ा में सामाजिक सम्मेलन में हुआ था। शादी के बाद आरती ससुराल में रह रही थी। पीड़िता का आरोप है कि विवाह के करीब दो महीने बाद से ही पति निलेश साहू, सास सावित्री साहू और ससुर शिवकुमार साहू दहेज में मोटरसाइकिल लाने का दबाव बनाने लगे। ताने मारते हुए कहते थे मायके से मोटरसाइकिल लेकर नहीं आई। छोटी-छोटी बातों पर गाली-गलौज और मारपीट आम हो गई थी। ससुराल वाले उसे समय पर खाना नहीं देते थे। जिस कमरे में दहेज का सामान रखा था।उसमें ताला लगा दिया गया। सास ने उसके सोने-चांदी के जेवर भी अपने पास रख लिए। शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर आरती ने मायके में माता-पिता और भाई-बहन को जानकारी दी। मायके से उसके माता-पिता और भाई ने आकर समझाईस दी।किन्तु दो दिन तो ठीक रहे, लेकिन फिर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना शुरू हो गई।23 अप्रैल को दोपहर करीब 3 बजे आरती की बहन सरिता साहू, जीजा सुग्रीम साहू और भाई भरत साहू चीचगांव में शादी से लौटते समय आरती के ससुराल ग्वारी सालीवाड़ा पहुंचे। वहां आरती ने बताया कि वह चार माह की गर्भवती है और ससुराल वाले खाना नहीं देते, मारपीट करते हैं। यह सुनते ही पति निलेश, सास सावित्री और ससुर शिवकुमार भड़क गए। गाली-गलौज करते हुए आरती को मायके चले जाने को कहा। आरोप है कि पति ने प्लास्टिक की कुर्सी उठाकर आरती के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आई बहन सरिता साहू के साथ झूमाझपटी कर उसे जमीन पर पटक दिये। जिससे उसे चोट आई।आरती को उसके पति सास ससुर ने धमकी दी कि यहां से चली जा अन्यथा दोबारा आने पर उसे जान से खत्म कर देने की धमकी दे दी।मारपीट में घायल आरती को उसकी बहन सरिता ने नैनपुर अस्पताल ले गये। इलाज के दौरान आरती को भी भर्ती कराना पड़ा। आरती तीन दिन तक अस्पताल में भर्ती रही। 25 अप्रैल को छुट्टी मिलने के बाद वह अपने मायके चमन टोला पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई।26 अप्रैल को आरती साहू ने लामता थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पति निलेश साहू, सास सावित्री साहू और ससुर शिवकुमार साहू के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और दहेज प्रतिषेध अधिनियम कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

बूढ़ी शराब दुकान में बवालः शराब दुकान के कर्मियों ने अधिवक्ता का सिर फोड़ा- बचाने आई महिलाओं से भी की धक्काभुक्की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 12 बूढ़ी में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर चल रहा महिलाओं का आंदोलन 27 अप्रैल रात हिंसक हो गया। शराब दुकान के कर्मचारियों ने बीच-बचाव करने पहुंचे अधिवक्ता गौरव मेश्राम के साथ बेरहमी से मारपीट की। पत्थर से हमले में अधिवक्ता का सिर फट गया । कर्मचारियों ने धरने पर बैठी महिलाओं निर्मला गौरकर और सुनीता कुशवाहा के साथ भी धक्का-मुक्की की। घायल अधिवक्ता को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। ज्ञात ही कि पिछले एक सप्ताह से वार्ड नंबर 12 बूढ़ी की महिलाएं शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर शराब दुकान के सामने धरने पर बैठी हैं। 27 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे अधिवक्ता गौरव मेश्राम भी धरने में शामिल होने पहुंचे थे।इसी दौरान शराब दुकान के कर्मचारी सड़क पर संजू चौधरी नामक व्यक्ति के साथ मारपीट कर रहे थे। संजू को बचाने के लिए अधिवक्ता गौरव मेश्राम और संजू की पत्नी ललिता चौधरी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि कर्मचारियों ने गौरव मेश्राम को रोड़ से खीचते हुए दुकान परिसर के अंदर ले गए और मारपीट करने के साथ ही उनपर पत्थर से हमला कर दिया। जिससे अधिवक्ता गौरव मेश्राम का सर फट गया और खून निकलने लगा था इस दौरान बीच बचाव करने आई महिला निर्मला गौर कर और सुनीता कुशवाहा से भी शराब दुकान के कर्मचारियों ने धक्का मुक्की किये। इस दौरान किसी ने डायल 112 को फोन कर दिए थे।सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची और घायल अधिवक्ता को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया। जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने घायल अधिवक्ता गौरव मेश्राम का बयान दर्ज कर कोतवाली पुलिस को सूचना दे दी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

समनापुर के पास कबाड़ से भरा ट्रक रेलिंग से टकराकर पलटा चालक समेत दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उकवा पुलिस चौकी क्षेत्र के समनापुर के पास सोमवार दोपहर कबाड़ से भरा 407 ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क की रेलिंग से टकरा गया और पलट गया। हादसे में चालक समेत दो लोग घायल हो गए। दोनों को बालाघाट

के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल की सुबह आंवलाझरी निवासी चालक नरेंद्र बन्डेबुचे ट्रक में कांच की कबाड़ बोतलें लादकर मोहगांव से बालाघाट आ रहा था। दोपहर में जैसे ही ट्रक समनापुर के पास पहुंचा।अचानक अनियंत्रित होकर सड़क की रेलिंग से जा टकराया और पलट गया। हादसे में ट्रक चालक नरेंद्र बन्डेबुचे36 वर्ष और ट्रक में सवार आंवलाझरी निवासी आशिफ खान घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों को तत्काल बालाघाट के निजी अस्पताल पहुंचाया गया।जहां उनका इलाज जारी है।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में ट्रक के अनियंत्रित होने को हादसे का कारण माना जा रहा है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 29 अप्रैल 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं

सत्र न्यायाधीश प्राणेष कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 9 मई 2026 (शनिवार) को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष वाहन को जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) रघुवीर प्रसाद पटेल, जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश दीपनारायण सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार सिंह सहित न्यायिक अधिकारी, कर्मचारीगण एवं पक्षकार उपस्थित रहे। 09 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला न्यायालय, समस्त तहसील न्यायालयों, श्रम न्यायालय एवं कुटुंब न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन मामलों का भी निराकरण किया जाएगा। इनमें आपराधिक, विद्युत, चेक बाउंस, दीवानी, बैंक, श्रम, दूरसंचार, राजस्व, जलकर एवं संपत्ति कर से संबंधित प्रकरण शामिल रहेंगे।

नपा में पानी घोटाले का आरोप, पार्षद श्वेता जैन ने परिषद बैठक में खोली पोल

नगर पालिका की बोरिंग से कॉम्प्लेक्सों को वर्षों तक मुफ्त पानी सप्लाई, बिजली बिल भी भरती रही नपा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सत्ता पक्ष की पार्षद श्वेता जैन ने नगर पालिका में एक बड़ी अनियमितता का मामला उजागर कर सियासी और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। उन्होंने यह मामला नगर पालिका परिषद की बैठक में उठाते हुए आरोप लगाया कि नगर पालिका के कुछ जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी मिलकर वर्षों से नगर पालिका की बोरिंग का पानी आसपास स्थित कुछ निजी कॉम्प्लेक्स और दुकानों तक पहुंचा रहे थे। पार्षद ने बताया कि नगर पालिका कार्यालय में ही पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पाता, जिससे दैनिक कार्य प्रभावित होते हैं। इसके बावजूद पाइपलाइन बिछाकर कुछ दुकानदारों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मुफ्त में पानी दिया जा रहा था। हैरानी की बात यह है कि इस पानी के एवज में कोई शुल्क नहीं लिया गया और उपयोग की गई बिजली का भुगतान भी नगर पालिका द्वारा किया जाता रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह खेल एक-दो दिन नहीं बल्कि पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से चल रहा था। जैसे ही यह मामला परिषद बैठक में उठने की जानकारी के बाद , जिम्मेदारों ने आनन-फानन में संबंधित पाइपलाइन काटकर पानी की सप्लाई को पहले ही बंद कर दी। पार्षद श्वेता जैन ने सवाल उठाया कि जब शहर की आम जनता से पानी की हर बूंद का शुल्क वसूला जाता है, तो फिर निजी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को मुफ्त सुविधा क्यों दी गई। हालांकि मामले के सामने आने के बाद भी अब तक किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय नहीं की गई है।

नगर पालिका में अनियमितताओं और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वाहन खरीदी में कथित अनियमितता और डीजल भुगतान विवाद के बाद अब नगर पालिका की बोरिंग से व्यावसायिक दुकानों को वर्षों से मुफ्त पानी उपलब्ध कराने और उसका बिजली बिल नगर पालिका द्वारा वहन किए जाने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि इस बार इस पूरे मामले को किसी विपक्षी नेता ने नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष की ही पार्षद श्वेता जैन ने उजागर किया है। पार्षद श्वेता जैन ने परिषद की बैठक में यह गंभीर मामला उठाते हुए नगर पालिका प्रशासन पर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका की बोरिंग मशीन से काली पुतली क्षेत्र और बस स्टैंड के आसपास स्थित कुछ व्यावसायिक दुकानों एवं परिसरों को पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से चोरी-छिपे मुफ्त पानी उपलब्ध कराया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इन दुकानों से पानी उपयोग का कोई शुल्क नहीं लिया गया, जबकि नगर पालिका आम नागरिकों से पानी की एक-एक बूंद का टैक्स और शुल्क वसूलती है। इसके बावजूद व्यावसायिक उपयोग के लिए पानी मुफ्त में उपलब्ध कराया जाना कई सवाल खड़े करता है। सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि जिन बोरिंगों से इन दुकानों को पानी सप्लाई किया जा रहा था, उनका बिजली बिल भी नगर पालिका अपने खाते से भर रही थी। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि आखिर किसके निर्देश पर यह व्यवस्था वर्षों तक संचालित होती रही और इससे किसे लाभ पहुंचाया गया। परिषद बैठक में जब पार्षद श्वेता जैन ने यह मुद्दा उठाया तो नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी इस मामले में स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। बताया जा रहा है कि मामला उजागर होने के पहले ही नगर पालिका प्रशासन ने रातों-रात संबंधित दुकानों तक पहुंच रही पाइपलाइन कटवा दी और दुकानदारों को नियमित नल कनेक्शन लेने के निर्देश दिए। हालांकि इस कार्रवाई के बाद भी सवाल खत्म नहीं हुए हैं। नगर पालिका के ही कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों का कहना है कि बस स्टैंड के कुछ क्षेत्रों में अब तक नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन ही नहीं बिछाई गई है। ऐसे में यह समझ से परे है कि संबंधित दुकानदार नियमित कनेक्शन कैसे ले पाएंगे। इस पूरे घटनाक्रम ने यह आशंका भी पैदा कर दी है कि कहीं वर्षों से पानी और बिजली के नाम पर अवैध वसूली का खेल तो नहीं चल रहा था। यदि ऐसा है तो आखिर यह पैसा किसके पास गया, यह जांच का विषय बन गया है।

पार्षद श्वेता जैन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर पालिका में विकास कार्यों से अधिक अनियमितताएं और भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका अब भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है और यदि मामलों की निष्पक्ष जांच हो तो कई और चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं। अब देखना यह होगा कि नगर पालिका प्रशासन इस गंभीर मामले में जांच कर ठोस कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी पूर्व के विवादों की तरह समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

वार्ड 16 में आठ दिन से पेयजल संकट गहराया, बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे रहवासी, करोड़ों की जलावर्धन योजना फेल!

एक साल से अनियमित जलप्रदाय से परेशान लोग, गर्मी में सप्लाई बंद होने पर नगर पालिका के खिलाफ बढ़ा आक्रोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 16 के कई हिस्सों में बीते आठ दिनों से नगर पालिका द्वारा पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बंद होने से गंभीर जलसंकट की स्थिति निर्मित हो गई है। भीषण गर्मी के बीच पानी नहीं मिलने से वार्डवासी बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हो रहे हैं और नगर पालिका प्रशासन के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ रही है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा दिन में दो समय नियमित रूप से पानी उपलब्ध कराने की बात कही जाती थी, लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि एक समय भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। पिछले आठ दिनों से कई क्षेत्रों में सप्लाई पूरी तरह बंद है, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। कई परिवारों को निजी टैंकरों और अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं का सहारा लेना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने बताया कि यह समस्या केवल पिछले कुछ दिनों की नहीं है, बल्कि पिछले लगभग एक वर्ष से क्षेत्र में जलप्रदाय व्यवस्था चरमराई हुई है। कभी कम प्रेशर से पानी आता है तो कभी समय पर सप्लाई नहीं होती। कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

शहर में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने और नागरिकों को नियमित पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर नई जलावर्धन योजना लागू की गई थी। इस योजना के तहत नई पाइपलाइन बिछाई गई, पानी की टंकियों का निर्माण किया गया और शहर में बेहतर जल आपूर्ति के बड़े दावे किए गए थे। लेकिन हकीकत अब इन दावों से बिल्कुल अलग नजर आ रही हैं। शहर के वार्ड क्रमांक 16 में इन दिनों पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गुजरी बाजार सहित आसपास के रिहायशी क्षेत्रों में बीते आठ दिनों से नगर पालिका की पाइपलाइन बंद पड़ी है, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए भारी

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि वार्डवासी इधर-उधर से पानी लाकर अपने दैनिक कार्य चला रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वैसे तो नगर पालिका दिन में दो बार पानी सप्लाई करने का दावा करती है, लेकिन इस वार्ड में एक वक्त भी सही तरीके से पानी नहीं मिल पा रहा है। कई घरों में तो नलों से पानी पहुंच ही नहीं रहा है। गौरतलब है कि नई जलावर्धन योजना में कथित अनियमितताओं और तकनीकी खामियों को लेकर पहले भी सवाल उठ चुके हैं। कुछ समय पहले नगरीय प्रशासन द्वारा नगर पालिका अधिकारियों और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में योजना में गड़बड़ी और अनियमितताओं को लेकर जवाब मांगा गया था। इसके बावजूद हालात में सुधार नहीं हो पाया है।

कई दिनों से घर में पानी नहीं आ रहा है- प्रतीक्षा गुप्ता

वार्ड निवासी प्रतीक्षा गुप्ता ने बताया कि पिछले कई दिनों से उनके घर में पानी नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि बीते कई महीनों से पानी की सप्लाई कम फोर्स में हो रही थी, लेकिन अब तो स्थिति और गंभीर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पानी आता भी है तो वह साफ नहीं होता और अधिकतर मटमैला पानी सप्लाई किया जाता है। उन्होंने नगर पालिका से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है।

समस्या पिछले एक वर्ष से बनी हुई है - ऋषभ कांकरिया

वार्ड निवासी ऋषभ कांकरिया ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले एक वर्ष से बनी हुई है। उन्होंने कहा कि वार्ड ऊंचाई वाले क्षेत्र में स्थित है, इसके बावजूद तकनीकी दृष्टि से सही योजना नहीं बनाई गई। यदि नगर पालिका इस क्षेत्र को सीधे पानी की टंकी से जोड़ती तो वार्डवासियों को बेहतर फोर्स के साथ पानी मिल सकता था। गलत योजना के कारण आज लोग परेशान हो रहे हैं।

पिछले आठ दिनों से पानी नही आ रहा हैं - आशीष बागरेचा

आशीष बागरेचा ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष से वार्ड में कभी भी पर्याप्त दबाव के साथ पानी नहीं मिला। घरों में ऊपर की मंजिल तक पानी पहुंचाने के लिए उन्हें मोटर मशीन का सहारा लेना पड़ता है। जबकि नगर पालिका मोटर लगाने पर आपत्ति जताती है। अब पिछले आठ दिनों से पानी पूरी तरह बंद होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

करोड़ों-अरबों रुपए का बजट किस काम का - सुधीर

इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष के पार्षद सुधीर चिले ने भी नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या एक से डेढ़ वर्ष पुरानी है और उन्होंने कई बार नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर को इसकी जानकारी दी है। परिषद की बैठकों में भी यह मुद्दा उठाया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका करोड़ों-अरबों रुपए का बजट पेश करती है, लेकिन पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जा रही। कई वार्ड ऐसे हैं जहां पानी की टंकियों के नीचे तक पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है, जो योजना की बड़ी खामी को दर्शाता है। पार्षद ने यहां तक कहा कि मौजूदा व्यवस्था को देखकर ऐसा नहीं लगता कि वार्डवासियों को जल्द राहत मिल पाएगी।

बूढी शराब दुकान में फिर बवाल, मारपीट में युवक घायल

दुकान हटाने को लेकर चल रहे महिला प्रदर्शन के बीच देर रात हुआ विवाद, घायल युवक ने थाने में की शिकायत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वार्ड क्रमांक 12 बूढी रेलवे क्रॉसिंग के पहले संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर बीते कई दिनों से महिलाओं का प्रदर्शन जारी है। स्थानीय महिलाएं लगातार दुकान को रिहायशी क्षेत्र से हटाने की मांग कर रही हैं। वहीं इस शराब दुकान में आए दिन विवाद और हंगामे की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। कभी झूमाझटकी तो कभी मारपीट जैसी घटनाओं के कारण यह दुकान लगातार विवादों में बनी हुई है। इसी क्रम में 27 अप्रैल की रात एक बार फिर शराब दुकान परिसर में विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। बताया जा रहा है कि दुकान के कर्मचारियों और प्रदर्शन कर रहे कुछ पुरुषों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। इस घटना में गौरव मेश्राम नामक युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। घायल युवक का कहना है कि उसने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज करा दी है, लेकिन अब तक पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में नाराजगी देखी जा रही है और शराब दुकान को तत्काल हटाने की मांग फिर तेज हो गई है।

शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों शराब दुकानों के स्थान परिवर्तन को लेकर महिलाओं का विरोध प्रदर्शन लगातार तेज होता जा रहा है। कई स्थानों पर महिलाओं के आंदोलन को सफलता भी मिली है, जिसके बाद अब अन्य क्षेत्रों की महिलाओं में भी अपने इलाके से शराब दुकान हटाने की उम्मीद बढ़ गई है। गौरतलब है कि शहर के वार्ड क्रमांक 24 और हाल ही में वार्ड क्रमांक 25 मोती नगर चौक में महिलाओं के लगातार विरोध प्रदर्शन के बाद शराब दुकानों का स्थान परिवर्तन किया गया था। इन दोनों घटनाओं को महिलाओं की बड़ी जीत माना जा रहा है। इसी से प्रेरित होकर अब अन्य वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाएं शराब दुकानों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। इसी बीच शराब दुकानों के लाइसेंस धारकों को हो रहे राजस्व नुकसान के चलते वे भी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नए-नए तरीके अपनाने में जुटे हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कहीं शराब के दामों में भारी कमी की जा रही है तो कहीं दुकान तक ग्राहकों को पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे प्रदर्शन कर रही महिलाओं में और अधिक नाराजगी देखी जा रही है। ऐसी ही स्थिति शहर के बूढी क्षेत्र स्थित वार्ड क्रमांक 12 की शराब दुकान में देखने को मिल रही है, जहां पिछले एक सप्ताह से महिलाओं का प्रदर्शन लगातार जारी है। महिलाएं रोजाना दुकान के सामने विरोध दर्ज करा रही हैं, वहीं दूसरी ओर दुकान संचालक भी अपनी गतिविधियां बढ़ाते नजर आ रहे हैं। सुरक्षा के नाम पर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि दुकान के कुछ कर्मचारी पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार शाम होते-होते प्रदर्शन और अधिक उग्र हो जाता है और कई बार देर रात तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रहती है। 27 अप्रैल को भी प्रदर्शन के दौरान माहौल अचानक बिगड़ गया और महिलाओं के समर्थकों तथा शराब दुकान कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ गया कि प्रदर्शन में शामिल गौरव मेश्राम नामक युवक के साथ मारपीट की घटना हो गई। आरोप है कि शराब दुकान के कर्मचारियों ने युवक को खींचकर दुकान परिसर के अंदर ले जाकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। घायल गौरव मेश्राम ने बताया कि वह महिलाओं के समर्थन में प्रदर्शन कर रहा था। इसी दौरान दुकान परिसर में मौजूद कुछ लोगों द्वारा महिलाओं के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा था, जिसका विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और उसके साथ मारपीट की गई। घटना के बाद गौरव मेश्राम ने कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है और उनके बयान भी दर्ज कर लिए गए हैं। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है। इधर नगर पालिका भी अब शराब दुकान हटाने के समर्थन में खुलकर सामने आती दिखाई दे रही है। परिषद स्तर पर इस विषय पर चर्चा के बाद जर्जर भवन को गिराने की रणनीति तैयार की जा रही है, ताकि भवन ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया के साथ शराब दुकान को वहां से हटाने का रास्ता भी साफ हो सके। लगातार बढ़ते विरोध, विवाद और प्रशासनिक हलचल के बीच अब यह मामला शहर में चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है।

पत्नी के चरित्र पर शक कर पति ने की मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कड़कना में एक शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करते हुए उसके साथ जमकर मारपीट की और घर से नहीं निकलने पर जान से मारने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति जैनेंद्र अनमोले के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 34 वर्षीय कलावती अनमोले ग्राम कड़कना में रहती हैं। और घरेलू काम करती हैं। उनके परिवार में पति जैनेंद्र अनमोले, एक बेटा और एक बेटी है। कलावती का आरोप है कि पति जैनेंद्र आए दिन शराब पीकर घर आता है और विवाद करता है।सोमवार की शाम करीब 6 बजे कलावती अपने घर में खाना बना रही थीं। इसी दौरान पति जैनेंद्र शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए अश्लील गालियां देने लगा। कलावती के मना करने पर जैनेंद्र ने उसका गला पकड़ लिया और हाथ-मुक्कों से बुरी तरह मारपीट की जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई।बीच-बचाव के लिए देवरानी हेमलता अनमोले मौके पर पहुंची और झगड़ा शांत कराया। इसके बाद आरोपी जैनेंद्र ने कलावती को घर से निकल जाने की धमकी दी और घर से नहीं जाने पर उसे जान से खत्म करने की धमकी दे दी।

घटना से डरी-सहमी कलावती ने तुरंत अपने भाई को पूरी आपबीती बताई। भाई के आने के बाद कलावती किरनापुर थाना पहुंची और पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।किरनापुर पुलिस ने कलावती अनमोले की रिपोर्ट पर आरोपी पति जैनेंद्र पिता सुरेंद्र अनमोले के खिलाफ अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिले में पहली बार आयोजित हुई नेशनल कराटे चैंपियनशिप, कई राज्यों के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं का सम्मान, खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट प्रमाण पत्र भी किए गए वितरित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खेल इतिहास में पहली बार राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। सुतोकान स्पोर्ट्स कराटे इंडिया एसोसिएशन एवं मध्यप्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एंड एजुकेशन बालाघाट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रथम ऑल स्टाइल नेशनल कराटे चैंपियनशिप का आयोजन सोमवार 28 अप्रैल को जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मुलना स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन संस्था के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी और छत्तीसगढ़ के रायपुर से पहुंचे प्रशिक्षक ईशांत महंत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनके द्वारा विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनिल धुवारे, विशिष्ट अतिथि राहुल बरेसा एवं कार्यक्रम अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान कराटे खिलाड़ियों ने काता इवेंट और कुबूडो मार्शल आर्ट का आकर्षक प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरीं।प्रतियोगिता की शुरुआत बालक एवं बालिका वर्ग के छह वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों द्वारा कराटे की काता विधा के प्रदर्शन से की गई। छोटे खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और तकनीकी

कौशल ने दर्शकों को प्रभावित किया। इस दौरान दिल्ली में आयोजित नेशनल कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा शितो रियोन कराटे स्कूल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। साथ ही लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कुबूडो मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। ब्लैक बेल्ट सेकंड डान का प्रमाण पत्र अनिल सावनकर को प्रदान किया गया, जबकि ब्लैक बेल्ट शो डान फर्स्ट डिग्री का प्रमाण पत्र सोहम नागपुरे, मौली कावरे और शिक्षा कावरे को दिया गया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में आरोही शरणागत ने एक कांस्य पदक, वंश बर्वे ने एक कांस्य पदक और सुशांक पारधी ने दो कांस्य पदक अर्जित किए। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी बालाघाट के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। आरोही शरणागत ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता, सुशांक पारधी ने एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया। वंश बर्वे ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक अर्जित किया, जबकि अनिल सावनकर ने एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। उमंग जंघेले ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। लखनऊ में आयोजित कुबूडो मार्शल आर्ट नेशनल चैंपियनशिप में डॉली माहुरकर ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक अर्जित किया, जबकि नेहा झाडे ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, कोषाध्यक्ष सरिता केवल सोनकर, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, सदस्य राजेंद्र बढ़े, शुभम मनेश्वर, साक्षी खैरकर, संजू मेश्राम, प्रशिक्षक सचिन कृष्णन, गणेश बोडे, लालबर्रा एवं बालाघाट के युवा समन्वयक लव कुमार नागपुरे, खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, केदार ठाकरे, योगेंद्र पटले, धीरज डोंगरे सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, उड़ीसा सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की सहभागिता ने आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। पहली बार आयोजित इस चैंपियनशिप को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा गया और आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे बड़े आयोजनों की बात कही।

आस-पास की खबरें

आसमान से बरस रही आग, नहीं खुले सार्वजनिक प्याऊ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आसमान से आग बरस रही है। जिसके कारण तापमान बढ़ते ही जा रहा है और गर्मी के दिनों में लोगों को सबसे अधिक प्यास लगती है। जिससे उनके गले को तर करने के लिए शीतल जल (पानी) की जरूरत पड़ती है परन्तु लालबर्रा स्थित बस स्टैण्ड एवं अन्य स्थानों पर जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत

व समाजसेवी संस्था के द्वारा अब तक सार्वजनिक प्याऊ नही लगवाया (खुलवाया) गया है। जिसके कारण राहगीर, स्थानीय दुकानदार व यात्रीगण इस भीषण गर्मी में ठंडे पेयजल के लिए परेशान हो रहे है। साथ ही नगर मुख्यालय के हृद्य स्थल बस स्टैण्ड में ठंडे पेयजल के लिए मशीन लगाई गई है। लेकिन मशीन के आसपास गंदगी होने के कारण लोग उक्त स्थान का पानी पीने से कतराते है। इसलिए बस स्टैण्ड में पुर्व की तरह इस वर्ष भी गर्मी के दिनों में प्याऊ खोलने की मांग उठ रही है और अप्रैल माह बीतने में आना लगा है। लेकिन अब तक प्याऊ नही खोला गया है। यानि की ठंडे पानी की व्यवस्था नही होने के कारण क्षेत्रभर से पहुंचने वाले लोगों में स्थानीय प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और मजबूरी में लोग दुकानों एवं हेंडपंप का गर्म पानी पीने मजबूर है या फिर शीतल पानी खरीदकर लोग अपनी प्यास बुझा रहे है। वहीं वर्तमान में लग रही भीषण गर्मी के मौसम में लू से बचने के लिए एवं गले को तर करने के लिए शीतल जल की आवश्यकता होती है जहां की ठंडे पानी से लोग अपनी प्यास बुझाते है इसलिए जागरूक नागरिकों ने जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत व समाजसेवी संस्थाओं से जल्द बस स्टैण्ड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शीतल प्याऊ खुलवाने की मांग की हैं। आपको बता दे कि भीषण गर्मी प्रारंभ होते ही मार्च के अंतिम व अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत व समाजसेवी संस्था के द्वारा स्थानीय बस स्टैण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में ठंडे पानी के लिए प्याऊ खुलवा दिया जाता था। जहां से क्षेत्रभर से पहुंचने वाले लोग, यात्रीगण व स्थानीय दुकानदार प्यास लगने पर उक्त स्थान से पानी पीकर अपने कंठ को तर कर लेते थे परन्तु इस वर्ष अप्रैल माह समाप्ति में है। लेकिन अब तक प्याऊ नही खोला गया हैं। जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और जल्द ही नगर मुख्यालय के हृद्यस्थल बस स्टैण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शीतल प्याऊ खुलवाने की मांग की है।

बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर यातायात व्यवस्था बेपटरी, घंटों लग रहा जाम, राहगीर परेशान

शादी-विवाह के सीजन में बढ़ी मुश्किलें, सड़कों पर पसरा दुकानों का सामान, प्रशासन मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से गुजरने वाला मुख्य बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली और चरमराई यातायात व्यवस्था को लेकर सुर्खियों में है। वर्तमान में वैवाहिक सीजन के चलते वाहनों का दबाव बढ़ने से लालबर्रा विश्राम गृह से लेकर मजार के आगे तक इस मार्ग पर आये दिन घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। विडंबना यह है कि मुख्य मार्ग होने के बावजूद यहां यातायात को सुव्यवस्थित करने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से कोई पुख्ता इंतजाम या कर्मचारियों की तैनाती नजर नहीं आ रही है। जिसके कारण आवागमन करने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मार्ग पर बार-बार जाम लगने से बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही है। लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन के द्वारा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने हेतु कोई पहल नही की जा रही है और सबसे अधिक परेशानी शाम 5 बजे से लेकर रात 9 बजे तक बनी रहती है। साथ ही दुकानदार भी दुकानों की सीमा के बाहर अतिक्रमण कर सामान रख देते है। ऐसी स्थिति में ग्राहक सड़क किनारे तक वाहन खड़े कर दे रहे हैं। वहीं वैवाहिक कार्यक्रमों में जाने वाले लोगों का आवागमन अधिक होने एवं ओवर लोड वाहनों के गुजरने के कारण भी बार-बार जाम की स्थिति निर्मित हो रही है जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से विश्राम गृह, बस स्टैण्ड से लेकर मजार के बीच में शाम के समय पुलिसकर्मी की डयूटी लगाकर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करवाने की मांग की है।

अतिक्रमण ने बढ़ाई मुश्किल

यातायात बाधित होने का एक बड़ा कारण स्थानीय दुकानदारों द्वारा किया गया अतिक्रमण है। दुकानदारों ने अपनी दुकान की सीमा से बाहर सड़कों तक सामान फैला रखा है। इससे सड़क संकरी हो गई है और दो बड़े वाहनों के आमने-सामने आने पर तत्काल जाम लग जाता है। राहगीरों का कहना है कि दुकानों के सामने अव्यवस्थित पार्किंग और सड़कों पर रखे सामान के कारण पैदल चलना भी दूभर हो गया है। साथ ही शादी-विवाह का दौर जारी होने के कारण इस मार्ग पर यात्री बसों के साथ-साथ निजी वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। पुलिस बल की अनुपलब्धता के कारण जब जाम लगता है, तो उसे खुलवाने वाला कोई नहीं होता। परिणामस्वरूप, लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में भारी देरी हो रही है और आपातकालीन सेवाओं (जैसे एम्बुलेंस) के फंसने का खतरा भी बना रहता है।

फोरलेन की मांग

बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का फोरलेन निर्माण कार्य की स्वीकृति होने के बाद भी अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नही हो पाया है। स्थानीयजनों एवं ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग की महत्ता को देखते हुए शासन स्तर से बालाघाट-सिवनी पहुंच मार्ग का फोरलेन निर्माण कार्य स्वीकृत हो चुका है। लेकिन अब तक कार्य शुरू तक नही हुआ है। जब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होता, तब तक वर्तमान व्यवस्था को सुधारना नितांत आवश्यक है। क्षेत्र के नागरिकों ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि मुख्य चौराहों और भीड़भाड़ वाले पॉइंट पर यातायात पुलिस की तैनाती की जाये, सड़कों पर सामान फैलाने वाले दुकानदारों पर जुर्माना और जब्ती की कार्यवाही हो, वैवाहिक सीजन को देखते हुए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाये। अब देखना यह है कि प्रशासन स्थानीय लोगों की इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है या जनता इसी तरह जाम के झाम में फंसने को मजबूर रहेगी।

यातायात व्यवस्था को सुधारे पुलिस प्रशासन - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग यह एक व्यस्तम मार्ग है जो बहुत सकरा है और मार्ग के फोरलेन की स्वीकृति का प्रयास विधायक महोदया के द्वारा किया गया है। इस मार्ग पर आवागमन अधिक होने के कारण जाम की स्थिति बार-बार निर्मित हो रही है और सबसे अधिक विश्राम गृह से लेकर मजार लालबर्रा तक रहता है। प्रशासन के द्वारा कोई व्यवस्था नही की गई है। जबकि वर्तमान समय में शादी-विवाह का दौर चल रहा है एवं बड़े वाहन भी गुजर रहे है। श्री

खान ने बताया कि दुकानदारों के द्वारा अपनी दुकानों के बाहर अतिक्रमण कर सामग्री फैला दिया जाता है। जिसके कारण भी यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। प्रशासन से मांग है कि ऐसे दुकानदारों पर कार्यवाही करे जो दुकान की सीमा के बार सामग्री रख रहे है। जिसमें पंचायत पुरी तरह से प्रशासन का सहयोग करेगी औ यातायात व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करें।

औल्याकन्हार एवं हाई स्कूल खेल मैदान में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का 1 मई को लालबर्रा विकासखण्ड के सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय व एपीसी क्लब औल्याकन्हार में किया जायेगा। यह शिविर जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के निर्देशन में 1 मई से 30 जून 2026 तक संचालित होगा। वहीं इस शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस एवं व्यक्तित्व विकास से जोड़ना है। इस वर्ष प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकों के साथ फिटनेस एवं स्वास्थ्य जागरूकता, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं सामाजिक दायित्व जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। खेल विभाग के ब्लाक्समन्वयक लव नगपुरे ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में व्हालीबॉल, कबड्डी एवं एथलेटिक्स खेलों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस प्रशिक्षण के लिए उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान लालबर्रा एवं औल्याकन्हार फिजिकल क्लब (एपीसी) ग्राम पंचायत औल्याकन्हार को चयनित किया गया है। इस शिविर में विजेंद्र उइके, राधिका नायक, शुभम बिसेन, स्वाति दमाहे एवं लव पटेल नगपुरे प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं देंगे। साथ ही समय-समय पर छत्तरसिंह ठाकरे, रविशंकर उइके, भीमराज ठाकरे, उमेश सपाटे, विकास चौबे, कमलेश तुमसरे एवं लवकुश भोयर द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा। वहीं एपीसी चेयरमैन ओ.पी. बिसेन ने ग्राम पंचायत सहित क्षेत्र के अधिक से अधिक ब च्चों एवं युवाओं से शिविर में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी एपीसी ग्राउंड में आयोजित शिविर को जिले में काफी सराहना मिली थी, जिसमें पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग, खेल विभाग, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा था। इस वर्ष भी इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा की गई है। वहीं यह समर कैम्प बच्चों एवं युवाओं के लिए शारीरिक विकास, टीमवर्क एवं खेल कौशल सीखने का उत्कृष्ट अवसर है। इच्छुक खिलाड़ी ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं और इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का लाभ ले सकते है।

सर्वर ठप और बारदाने की किल्लत, खरीदी केन्द्र पर परेशान हो रहे अन्नदाता

645 क्विंटल चना की हुई खरीदी के बाद भी पोर्टल पर एंट्री नही, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर चना खरीदी का दावा जमीनी स्तर पर फेल होता नजर आ रहा है। शासन के निर्देशानुसार क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर चना खरीदी का कार्य प्रारंभ तो हो चुका है, लेकिन अव्यवस्थाओं के चलते किसानों की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है, जिससे अन्नदाताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर स्थित कृषि उपज मंडी बकोड़ा में बनाये गये खरीदी केंद्र पर मिरेगांव सेवा सहकारी समिति के द्वारा गत 22 अप्रैल से समर्थन मूल्य में चना की खरीदी की जा रही है और अब तक 25 किसानों ने 645 क्विंटल चना की खरीदी की गई है। किन्तु सर्वर नही चलने एवं बारदाने खत्म हो जाने के कारण उपज खरीदी करने में समिति के कर्मचारियों के साथ ही किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यानि कि सर्वर डाउन होने और बारदाने की कमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिससे किसानों (अन्नदाताओं) में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है।

पोर्टल पर दर्ज नही हो पा रही खरीदी

आपको बता दे कि शासन के द्वारा रबी सीजन की दलहन फसल चना की खरीदी समर्थन मूल्य 5875 रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है और लालबर्रा विकासखंड के किसानों की उपज खरीदी करने के लिए कृषि उपज मंडी बकोड़ा को खरीदी केन्द्र बनाया गया है जहां सेवा सहकारी समिति मिरेगांव के द्वारा गत 22 अप्रैल से खरीदी की जा रही है। वहीं किसानों के द्वारा

उपज विक्रय करने के लिए स्लाट बुक भी करवा लिये गये है किन्तु बारदाना खत्म हो जाने एवं सर्वर नही चलने के कारण किसानों की उपज की समय पर खरीदी नही हो पा रही है। ऐसी स्थिति में उन्हे इस भीषण गर्मी में परेशान होना पड़ रहा है। जबकि समिति के द्वारा सर्वर डाउन एवं बारदाने खत्म हो जाने की जानकारी से उ च्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। लेकिन अब तक बारदाना नही भेजा गया है न ही सर्वर की समस्या को दुर किया गया है। ऐसी स्थिति में जिन किसानों की उपज को तौल लिया गया है उसे ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज नही किया गया है, पोर्टल पर एंट्री न होने से किसानों को रसीद मिलने में देरी हो रही है, जिससे किसानों को भुगतान रूकने का डर सता रहा है। वहीं किसान रोजाना पोर्टल पर जो उपज विक्रय किये है उसे दर्ज करवाने के लिए खरीदी केन्द्र पहुंच रहे है लेकिन सर्वर नही चलने से उन्हे बिना काम करवाये बैरंग वापस लौटना पड़ रहा है। जिससे किसानों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मंडी में अपनी उपज लेकर पहुंचे किसानों का कहना है कि वे सुबह से ही उपज लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण समय पर तुलाई व अन्य कार्य नही हो पा रहे है। साथ ही सर्वर डाउन होने की वजह से ऑनलाइन एंट्री और पोर्टल संबंधी काम घंटों ठप रहते हैं। जिसके कारण किसानों को इस भीषण गर्मी में अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं और समय पर काम नही होने से परेशान है। प्रशासन को व्यवस्था में सुधार करना चाहिए।

बारदाने का अभाव बना बड़ी बाधा

खरीदी केंद्र पर केवल सर्वर ही नहीं, बल्कि बारदाने की कमी भी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। किसानों ने बताया कि उपज की आवक अधिक है, लेकिन उस अनुपात में खाली बोरे (बारदाने) उपलब्ध नहीं हैं। बारदाना न होने के कारण कई किसानों की उपज की तुलाई नही हो पाई है, किसानों ने मंडी परिसर में भी डम्प कर दिये है। जबकि लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायतों के 104 गांवों के किसानों की चना उपज की खरीदी हेतु मात्र एक खरीदी केन्द्र कृषि उपज मंडी बकोड़ा को बनाया गया है। जहां बड़ी संख्या में किसान अपनी चना उपज को समर्थन मूल्य में विक्रय करने के लिए पहुंच रहे है। लेकिन बारदाना खत्म हो जाने के कारण खरीदी कार्य प्रभावित हो चुका है। इस तरह से बारदाने का अभाव खरीदी कार्य में बाधा बना हुआ है। साथ ही सर्वर डाउन होने के कारण ऑनलाईन एंट्री भी नही हो पा रही है, ऐसी स्थिति में किसानों को समय पर भुगतान नही होने पर उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसानों ने शासन-प्रशासन से जल्द बारदाने उपलब्ध करवाने एवं सर्वर डाउन की समस्या को दुर करने की मांग की है।

सर्वर नही चलने से हो रही परेशानी - राज

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी बकोड़ा खरीदी केन्द्र के आपरेटर राज फुलबांधे ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार गत 22 अप्रैल से समर्थन मूल्य में चना खरीदी की जा रही है और अब तक 25 किसानों ने 645 क्विंटल चना की खरीदी की गई है। लेकिन बारदाना खत्म हो जाने एवं सर्वर नही चलने से खरीदी कार्य प्रभावित हो रहा है। उक्त समस्या से उ च्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। बारदाने उपलब्ध होते ही खरीदी कार्य तीव्र गति से किया जायेगा।

जनसुनवाई में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सुनी जनता की समस्या

श्री जायसवाल शिकायत पर सख्त, कर्मचारियों को लगाई फटकार वेतन रोकने की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह जनसुनवाई पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में जनता की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरेए और परिषद के विभिन्न सभापति एवं पार्षदगण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मौके पर सुनी गई एक दर्जन से अधिक शिकायतें

जनसुनवाई के दौरान नगर के विभिन्न वार्डों से आए एक दर्जन से अधिक नागरिकों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। इनमें से अधिकांश शिकायतें वार्डों की साफ सफाई, नालियों से पानी की निकासी ना होना और आवश्यक निर्माण कार्यों से संबंधित थीं। श्री जायसवाल ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपस्थित अधिकारियों से चर्चा की और कई मामलों का तत्काल निराकरण कराया। वहीं गंभीर समस्याओं के लिए समय सीमा तय कर अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

संबल योजना के हितग्राहियों को मिली सहायता

इस दौरान शासन की जनकल्याणकारी संबल योजना के अंतर्गत मृत्यु सहायता राशि के आदेशों का वितरण किया गया। हितग्राहियों में राकेश कुमार बुरडे, सरिता हरिनंदा, गोपाल लांजेवार, देवीप्रसाद बुरडे, शिवशंकर पंचेश्वर, लक्ष्मी पांद्रे, देवलाल सिंगरे और अनतराम शामिल रहे। सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी।

मृत्यु सहायता राशि दिलाने नपा के कर्मचारियों ने माँगे पैसे श्री जायसवाल ने लगाई फटकार

वितरण के दौरान तब हड़कंप मच गया जब पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने हितग्राहियों से सीधा संवाद कर पूछा क्या इस योजना का लाभ दिलाने के लिए किसी ने रुपयों की मांग की। इस पर दो हितग्राहियों ने खुलकर हामी भरी और रूपये मांगने की पुष्टि की। श्री जायसवाल ने तत्काल संबंधित कर्मचारी को तलब कर सार्वजनिक रूप से कड़ी फटकार लगाई और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कर्मचारियों की लापरवाही पर बरसे पूर्व मंत्री काम नहीं तो वेतन नहीं

जनसुनवाई में नगर की सफाई व्यवस्था और कर्मचारियों की कार्यशैली पर भी जमकर नाराजगी व्यक्त की गई। श्री जायसवाल ने पाया कि कई कर्मचारी ऑनलाइन अटेंडेंस लगाकर ड्यूटी से नदारद हो जाते हैं। उन्होंने समस्त शाखा प्रभारियों और सीएमओ को सख्त हिदायत दी कि ऑनलाइन उपस्थिति के साथ साथ मैन्युअल रजिस्टर में भी हस्ताक्षर अनिवार्य किए जाएं और इसकी निगरानी प्रभारी स्वयं करें। अधिकारियों और प्रभारियों को चेतावनी देते हुए श्री जायसवाल ने कहा की परिषद के पास फंड की कमी नहीं है लेकिन अगर काम नहीं होगा तो वेतन का भुगतान भी नहीं किया जाएगा। अधिनस्थ कर्मचारी अटेंडेंस लगाकर चले जाते हैं और सफाई व्यवस्था बदहाल पड़ी है। यह स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रभारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो कठोर कदम उठाए जाएंगे।

नगर विकास के लिए अनुशासन जरूरी

कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने भी परिषद की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नगर की जनता को बेहतर सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता है। और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बरतने वाले कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

जनसुनवाई के माध्यम से आम जनता की समस्या सुनकर तत्काल निराकरण किया जा रहा है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि हमारे पास जनता की समस्या आ रही थी जिससे नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी के कामकाज में ढिलाई महसूस हो रही थी। जनसुनवाई के माध्यम से आम जनता की सीधे समस्या सुन कर यथा संभव समस्या का निराकरण जल्द करने के उद्देश्य से या सुनवाई रखी गई है। समस्याओं को नोट किया गया है इसमें ५० प्रतिशत समस्या का निराकरण तत्काल कर दिया गया है। ऑनलाइन हाजिरी शासन ने लाई है कुछ कर्मचारी हाजिरी लगाकर गायब हो जाते हैं तो सीएमओ को हमने ऑनलाइन के साथ रजिस्टर में ऑफ लाइन हाजिरी दर्ज करने कहा है। ताकि कर्मचारियों में कसावट आए और उन्हें उनके कार्य का ही भुगतान हो। लापरवाही तो है कर्मचारी मृत्यु सहायता राशि प्रकरण में पैसे मांगे थे उसे बुलाए वह आया नहीं कलेक्टर से हमारे द्वारा चर्चा की जाएगी उसे सस्पेंड किया जायेगा। आम जनता को कोई समस्या ना हो दूरभाष सेवा हमारे द्वारा आपातकाल के लिए चालू की गई थी। उसमें भी सुधार करें हैं यह जो शिकायतें आई है उनका अगली बार फिर हम बैठेंगे तब तक निराकरण होना चाहिए। संबंधित कर्मचारियों पर प्रकिया के तहत कार्यवाही की जाएगी।

कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम से विद्यार्थियों को मिली नई दिशा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लिंगमारा के श्री राम बालाजी फाउंडेशन के द्वारा कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा १०वीं, ११वीं एवं १२वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सही विषय चयन एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयुक्त कैरियर विकल्पों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में अनुभवी काउंसलर दुर्गेश टेंभर,भोजराज पटले ,ओमप्रकाश बारेवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। काउंसलर्स ने विद्यार्थियों को विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के विभिन्न अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के विविध क्षेत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता एवं लक्ष्य के अनुसार विषय चयन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान शासकीय हाई स्कूल लिंगमारा के प्राचार्य ज्ञानेंद्र पटले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रचित्त होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा जीवन में अनुशासन एवं निरंतर प्रयास के महत्व को समझाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने कैरियर से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायक संदेशों के साथ हुआ। जिसमें विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया गया।

सिंगोड़ी में भीषण आगजनी टला बड़ा हादसा

५ एकड़ का पैरा और बांस के पेड़ जलकर खाक दमकल विभाग की मुस्तैदी से सुरक्षित बचा रिहायशी मकान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं लगातार पैर पसार रही हैं। ताजा मामला वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगोड़ी का है जहां २७ अप्रैल की शाम करीब ५ बजे पूर्व जनपद अध्यक्ष किशोर अमूले के निवास से सटे खेत में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि समय रहते नगर पालिका की दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। अन्यथा पूर्व जनपद अध्यक्ष का मकान भी इस भयावह आग की चपेट में आ सकता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय पूर्व जनपद अध्यक्ष किशोर अमूले अपनी पत्नी पुष्पा अमूले और पुत्र के साथ घर के भीतर ही थे। इसी दौरान रामपायली मार्ग से गुजर रहे कुछ राहगीरों ने खेत से उठता धुआं और आग की ऊंची लपटें देखीं। राहगीरों ने बिना देर किए तत्काल घर में मौजूद किशोर अमूले और परिचितों को इसकी सूचना दी। जब परिवार के सदस्य बाहर आए तो उन्होंने देखा कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था और घर के ठीक पीछे स्थित खेत में लगे बांस के पेड़ों से चटकने की आवाजें आ रही थीं। देखते ही देखते आग ने खेत में रखे करीब ५ एकड़ फसल के पैरे को अपनी जद में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि खेत की मेड़ पर लगे दर्जनों बांस के पेड़ जलकर राख हो गए और पास ही लगे आम के पेड़ भी आग की तपिश से पूरी तरह झुलस कर मुरझा गए। किशोर अमूले ने बताया कि अग्निकांड में उन्हें लगभग १ लाख रुपये से अधिक की आर्थिक क्षति हुई है। आगजनी की सूचना तत्काल नगर पालिका परिषद वारासिवनी को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल वाहन फ ायर ब्रिगेड को सिंगोड़ी के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे फ ायरफ इटरों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि दमकल पहुंचने में थोड़ी भी देर होती तो आग खेत से फैलकर सीधे किशोर अमूले के रिहायशी मकान तक पहुंच जाती। जिससे एक बड़ी जनहानि और भीषण दुर्घटना घटित हो सकती थी। विदित हो कि वर्तमान में वारासिवनी सहित आसपास के क्षेत्रों में पारा ४० डिग्री के पार पहुंच चुका है। भीषण गर्मी के कारण सूखे पैरे और पेड़ों में मामूली चिंगारी भी बड़ी आग का रूप ले रही है। स्थानीय प्रशासन ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे सूखे खेतों और ज्वलनशील पदार्थों के पास विशेष सावधानी बरतें ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। इस दुर्घटना में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सुलगती बीड़ी सड़क किनारे फेंक जाने से आग लगने की घटना होने की संभावना लगाई जा रही है। हालांकि आग लगने का कारण अभी भी अज्ञात है।

सर्व ब्राह्मण समाज ने थाना प्रभारी से की शिकायत

धार्मिक भावनाएं भड़काने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सर्व ब्राह्मण समाज वारासिवनी ने थाना प्रभारी को एक शिकायत पत्र सौंपकर दलित पिछड़ा आदिवासी संगठन कोर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव के खिलाफएफआईआर दर्ज करने और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। शिकायत पत्र के अनुसार मामला २६ अप्रैल २०२६ को कटंगी विश्राम गृह में आयोजित एक प्रेस वार्ता से जुड़ा है। आरोप है कि भीम आर्मी पार्टी के पदाधिकारियों की मौजूदगी में दामोदर यादव ने सनातन धर्म और हिंदू प्रतीकों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि दामोदर यादव ने भगवान श्री विष्णु के अवतार श्री परशुराम के बारे में अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जिससे हिंदू समाज में भारी रोष है। वहीं प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने गीता, पुराण, रामायण और शिव पुराण जैसे पवित्र ग्रंथों को मानने से इनकार किया और उनके प्रति अनादर व्यक्त किया। श्री यादव के द्वारा जानबूझकर विभिन्न समुदायों के बीच नफरत और वैमनस्य फैलाने के उद्देश्य से बयान दिया गया था। इस प्रकार के भड़काऊ बयान राष्ट्रीय एकता के खिलाफ हैं और इनसे क्षेत्र की लोक शांति भंग हो सकती है समाज में आक्रोश फैल गया हैं। सर्व ब्राह्मण समाज वारासिवनी के सदस्यों ने एकजुट होकर पुलिस प्रशासन से मांग की है कि दामोदर यादव के खिलाफ उचित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए ताकि भविष्य में कोई भी धार्मिक आस्था का अपमान ना कर सके। अध्यक्ष शरद दुबे ने बताया कि भीम आर्मी के अध्यक्ष दामोदर यादव के द्वारा कटंगी में प्रेस वार्ता आयोजित कर हमारे भगवान परशुराम और ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी की गई है जो बिल्कुल गलत है। इसी संबंध में हमारे द्वारा थाने में शिकायत पेश की गई है ताकि उस पर एफआईआर दर्ज की जा सके। इस अवसर पर अध्यक्ष शरद दुबे ,अनीश मिश्रा ,रत्नेश मिश्रा, अभिजीत शुक्ला ,संतोष आड़े ,रिंकू दुबे ,राजेश मिश्रा ,आकाश दुबे ,दिलीप शर्मा ,अभय देशपांडे सहित समाज के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रजेगांव चेक पोस्ट पर वाहनों की आकस्मिक जांच

नियम विरुद्ध संचालन पर मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसों पर 01 लाख का जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा और यात्री वाहनों के नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रजेगांव चेक पोस्ट पर सोमवार, 28 अप्रैल को आकस्मिक जांच की गई। इस दौरान मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसें नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित पाई गईं, जिन पर कुल 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित बसें बिना परमिट और बिना पंजीयन के संचालित हो रही थीं। इसके साथ ही वाहनों में सड़क सुरक्षा मानकों का भी उल्लंघन पाया गया, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में न केवल जुर्माना लगाया जाता है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर वाहन जब्ती और अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाती है।

जिला परिवहन अधिकारी ने वाहन संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन न करें और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिवहन विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे यात्रा के दौरान केवल वैध और नियमों का पालन करने वाले वाहनों का ही उपयोग करें, ताकि सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके।

राघव चढ्ढा ने खोद दिया आम आदमी पार्टी का गड्ढा

भारतीय राजनीति में दल बदल और आंतरिक बगावत कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी उभरती हुई पार्टी के भीतर इस तरह का बड़ा घटनाक्रम सामने आता है तो उसके दूरगामी असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही मेंराघव चड्ढा के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने अथवा दल-बदल/विलय के दावे से भारतीय राजनीति में कई गंभीर समस्याएं और विवाद उत्पन्न हो गए हैं। यह सबसे बड़ा कानूनी मुद्दा है कि क्या चड्ढा के साथ अन्य सांसदों का विलय संवैधानिक है। यह दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसके दो-तिहाई वाले प्रावधान पर बहस छेड़ता है कि क्या सांसदों का एक बड़ा समूह रातों-रात पार्टी बदल सकता है। इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि आरोप है कि उसके 10 में से 7 सांसद पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक अस्तित्व का संकट है। पार्टी के पूर्व सहयोगियों और समर्थकों की ओर से इसे वैचारिक विश्वासघात के रूप में देखा जा रहा है। आप ने आरोप लगाया है कि यह ऑपरेशन कमल के तहत भाजपा द्वारा उसके सांसद नेताओं को तोड़ने की कोशिश है। राघव चड्ढा को हाल ही में राज्यसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर पद से हटाया गया था, जिसके बाद यह बगावत हुई। यह पार्टी के भीतर चल रहे आंतरिक मतभेदों और नेतृत्व की पकड़ को उजागर करता है।इस प्रकार के बड़े पैमाने पर दल-बदल से अस्थिरता का युग वापस आने की चिंता बढ़ गई है, जिससे लोकतंत्र के भविष्य पर सवाल उठते हैं।आपको पता है कि राघव चड्ढा और उनके साथ कई राज्यसभा सांसदों का आम आदमी पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी में जाने का फैसला एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत देता है। यह केवल व्यक्तियों का दल बदल नहीं बल्कि एक संगठन की आंतरिक स्थिति और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के समय खुद को एक वैकल्पिक राजनीति के रूप में प्रस्तुत किया था। ईमानदारी पारदर्शिता और जनहित के मुद्दों को केंद्र में रखकर इस पार्टी ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की। दिल्ली में लगातार जीत और पंजाब में सरकार बनाना इस बात का प्रमाण था कि जनता ने इस पार्टी को स्वीकार किया है। लेकिन अब जिस तरह से पार्टी के भीतर असंतोष और टूट सामने आ रही है वह यह संकेत देता है कि अंदरूनी ढांचे में कहीं न कहीं कमजोरी मौजूद है। राघव चड्ढा का पार्टी से अलग होना अचानक नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों से उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरी की खबरें सामने आती रही थीं। महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर अलग पहचान बनाने की कोशिश और संगठनात्मक गतिविधियों से दूरी यह सभी संकेत पहले से मौजूद थे। जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया तो यह स्पष्ट हो गया कि संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। इसके बाद उनका इस्तीफा और फिर भाजपा में शामिल होना एक तय दिशा की ओर बढ़ता कदम प्रतीत होता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है दो तिहाई सांसदों का गणित। भारतीय संविधान के तहत दल बदल कानून यह कहता है कि यदि किसी पार्टी के दो तिहाई सांसद एक साथ दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं तो उनकी सदस्यता सुरक्षित रहती है। यही कारण है कि राघव चड्ढा ने अपने साथ पर्याप्त संख्या में सांसदों को जोड़ने का प्रयास किया। यह केवल राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि एक रणनीतिक कदम भी था जिससे उनकी संसदीय स्थिति बनी रहे।यहां सवाल उठता है कि क्या यह केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का मामला है या फिर पार्टी की कार्यप्रणाली में वास्तविक समस्याएं हैं। जब एक दो नहीं बल्कि कई सांसद एक साथ पार्टी छोड़ते हैं तो यह संकेत देता है कि असंतोष व्यापक है।

प्रचंड गर्मी का कहर-लू के थपेड़ों से झुलसता देश, राहत की आस में टकटकी लगाए लोग

देश के बड़े हिस्से में इस समय भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों तक तापमान लगातार बढ़ रहा है और आम जनजीवन पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं, जहां तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक विकट होने की संभावना जताई गई है।

बिहार में गर्मी ने अप्रैल के महीने में ही जून जैसी स्थिति पैदा कर दी है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि मौसम का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, पटना, अरवल और जहानाबाद जैसे जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। दिन के समय सड़कों पर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। लोग जरूरी काम के बिना घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं और जो निकल रहे हैं, वे सिर पर गमछा या दुपट्टा लपेटकर ही बाहर जा रहे हैं।

पटना सहित कई शहरों में तापमान 41 डिग्री के पार जा चुका है, जबकि बक्सर में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। रोहतास के डेहरी, गया, शेखपुरा और अरवल जैसे क्षेत्रों में भी तापमान 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इस तरह की स्थिति न केवल असहज है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह मौसम बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है।

हालांकि मौसम विभाग ने उत्तर और उत्तर-पूर्वी बिहार के कुछ हिस्सों में थोड़ी राहत की संभावना जताई है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। लेकिन यह राहत सीमित और अस्थायी ही मानी जा रही है, क्योंकि पूरे राज्य में गर्मी का प्रभाव अभी बना रहेगा।

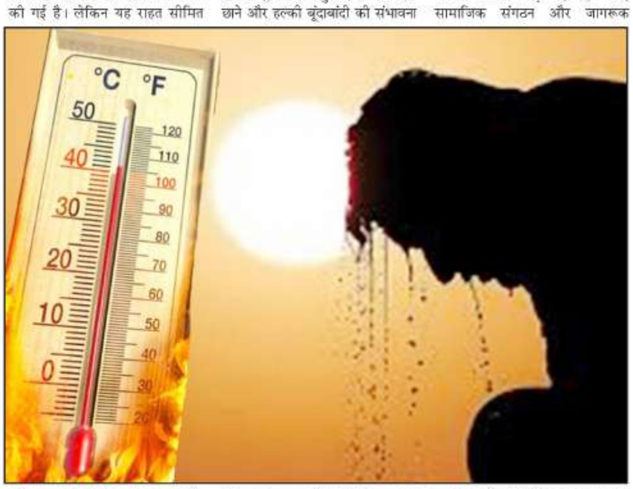

उत्तर प्रदेश में भी हालात कम चिंताजनक नहीं हैं। यहां भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लू का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है, जहां बांदा जिले का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। प्रयागराज भी 43.7 डिग्री के साथ पीछे नहीं है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों में हीट वेव की चेतावनी जारी की है और कहा है कि 25 अप्रैल तक तापमान में लगातार वृद्धि होती रहेगी।

लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 अप्रैल के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन तब तक लोगों को इस प्रचंड गर्मी का सामना करना ही पड़ेगा।

देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों में भी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है और लू के थपेड़े लोगों को दिन के समय घरों में रहने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा जाता है और केवल जरूरी काम से ही लोग बाहर निकलते हैं।

इस बढ़ती गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। जल स्रोत सूखने लगे हैं और पक्षियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कई सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखकर राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

गर्मी के इस प्रकोप ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी न होने दें, हल्का और ठंडा भोजन करें और तेज धूप में बाहर निकलने से बचें।

जलवायु परिवर्तन भी इस तरह की चरम मौसम स्थितियों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल तापमान में बढ़ोतरी और हीट वेव की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। यह केवल एक मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या का संकेत है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

सरकार और प्रशासन भी इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। कई जगहों पर हीट एक्शन प्लान लागू किया गया है, जिसमें लोगों को जागरूक करने, पानी की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। लेकिन इस चुनौती का सामना केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जागरूकता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

गर्मी के इस दौर में जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी हो गया है। दिनचर्या को इस तरह से ढालना होगा कि शरीर पर गर्मी का असर कम से कम पड़े। सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने की कोशिश करनी चाहिए और दोपहर के समय घर के अंदर ही रहना बेहतर है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि इस समय देश भीषण गर्मी की चपेट में है और आने वाले कुछ दिन और कठिन हो सकते हैं। ऐसे में धैर्य, सावधानी और सतर्कता ही इस संकट से बचने का सबसे बड़ा उपाय है। लोग राहत की उम्मीद में आसमान की ओर देख रहे हैं, जहां बादलों की एक हल्की परत भी उन्हें सुकून दे सकती है। लेकिन तब तक इस तपती धूप और लू के थपेड़ों के बीच खुद को सुरक्षित रखना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

- कांतिलाल मांडोत

आशा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उत्सव

- ललित गर्ग

हर वर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाने 'विश्व इच्छा दिवस' मानवता के उन कोमल स्पंदनों को अभिव्यक्त करता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और आशा का वैश्विक अभियान है। इस दिन का मूल उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है, जो गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में निहित है। इस प्रेरणादायी दिवस का संबंध विश्वविख्यात संस्था मेक-ए-विश फाउंडेशन से है, जो दशकों से बीमार बच्चों की इच्छाओं को साकार कर उन्हें जीवन का नया अर्थ दे रही है। यह संस्था न केवल इच्छाओं को पूरा करती है, बल्कि उन बच्चों के भीतर जीने की आशा, साहस और मानसिक शक्ति का संचार भी करती है।

इस दिवस का इतिहास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक है। वर्ष 1980 में सात वर्षीय क्रिस ग्रेसियस जो ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, उनकी अंतिम इच्छा एक पुलिस अधिकारी बनने की थी। जब यह बात स्थानीय पुलिस तक पहुंची, तो उन्होंने न केवल उसकी इच्छा को समझा, बल्कि उसे पूरा करने का संकल्प भी लिया। 29 अप्रैल 1980 को क्रिस को एक दिन के लिए पुलिस अधिकारी बनाया गया, उन्हें वर्दी पहनाई गई और पूरे सम्मान के साथ यह अनुभव दिया गया। उस दिन क्रिस के चेहरे पर जो मुस्कान थी, वह केवल एक बच्चे की खुशी नहीं थी, बल्कि मानवता की संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण थी। दुर्भाग्यवश, कुछ ही दिनों बाद उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी यह छोटी-सी इच्छा एक वैश्विक आंदोलन की नींव बन गई। इसी घटना से प्रेरित होकर मेक-ए-विश फाउंडेशन की स्थापना हुई, जिसने समय के साथ एक विशाल रूप ले लिया। आज यह संस्था विश्व के अनेक देशों में सक्रिय है और लाखों बच्चों की इच्छाओं को पूरा कर चुकी है। यह संस्था यह सिद्ध करती है कि एक छोटी-सी पहल भी दुनिया में बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

आधुनिक युग में, जब जीवन की गति अत्यंत तेज हो गई है और व्यक्ति अपने स्वार्थों एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझा हुआ है, ऐसे में यह दिवस एक चेतना का संदेश लेकर आता है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हमारी इच्छाएं केवल हमारे लिए हैं, या हम दूसरों के जीवन में भी कुछ रोशनी ला सकते हैं। आज समाज में संवेदनाओं का क्षरण हो रहा है, लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, और मानवीय संबंधों में औपचारिकता ब?ती जा रही है। ऐसे समय में विश्व इच्छा दिवस मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर प्रदान करता है। इच्छाएं मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल आकांक्षाएं नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और ऊर्जा का स्रोत हैं। जब इच्छाएं सकारात्मक होती हैं, तो वे व्यक्ति को आगे ब?ने की प्रेरणा देती हैं, उसके भीतर आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करती हैं। प्रसिद्ध विचारक एंथोनी स्टे. मारटीन का कथन है कि यदि मनुष्य अपनी सबसे बड़ी इच्छाओं को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं।

विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है।

यदि 2026 के संदर्भ में इस दिवस की भावना को समझा जाए, तो इसे आशा बांटें, खुशियां जगाएं के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। एक मुस्कान, एक सहयोग, या एक संवेदनशील कदम किसी के लिए जीवन बदल देने वाला अनुभव बन सकता है। इस दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह हमें सामाजिक भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। हम सभी अपने स्तर पर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं-चाहे वह आर्थिक सहयोग के माध्यम से हो, स्वयंसेवा के द्वारा हो, या किसी जरूरतमंद बच्चे की पहचान कर उसकी सहायता करने के रूप में हो। आज डिजिटल युग में सोशल मीडिया भी एक सशक्त माध्यम बन गया है, जिसके द्वारा हम इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैला सकते हैं।

निश्चिततौर परविश्व इच्छा दिवस हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक अर्थ केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीने में है। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हम स्वयं भी भीतर से प्रसन्न होते हैं। यही सच्चा आनंद है, यही सच्ची संतुष्टि है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह मानसिक तनाव हो, सामाजिक विघटन हो या मानवीय संवेदनाओं का ह्रास-ऐसे समय में यह दिवस आशा की एक किरण बनकर सामने आता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम चाहें, तो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। इसलिए इस विश्व इच्छा दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपनी इच्छाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की इच्छाओं को भी अपना मानेंगे। हम अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित करेंगे और मानवता के इस सुंदर अभियान का हिस्सा बनेंगे। क्योंकि अंततः एक छोटी-सी इच्छा ही किसी के जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है और यही इस दिवस का सबसे गहरा और सच्चा संदेश है।

अमेरिका और ईरान अस्थायी युद्ध विराम के दौरान नाजुक संतुलन और भविष्य की अनिश्चितता

दुनियाँ एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां हर कदम, हर निर्णय, और हर प्रतिक्रिया वैश्विक शांति और स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।

अमेरिकी तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देना सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं,क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन या वास्तव में युद्ध की तैयारी?

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती। यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ फोर्स) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूर्वाभास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दर्शाता है कि वॉशिंगटन इस क्षेत्र कोअत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स,मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

साथियों बात अगर हमअमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंधों को समझने की करें तो हाल ही में लागू अस्थायी युद्ध विराम की स्थिति वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 8 अप्रैल 2026 से लागू यह 14-दिन का विराम, जो अमेरिका और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव को रोकने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था,अब 27अप्रैल 2026 तक एक नाजुक दौर में प्रवेश कर चुका है। इस विराम के पीछे की कूटनीतिक प्रक्रिया अत्यंत जटिल और संवेदनशील रही है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच गहरी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इस विराम का पालन करने की प्राथमिकता जताई है, लेकिन साथ ही दोनों ही पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कड़े रुख पर बने हुए हैं। विशेषकर हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के संकट और अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाज टोस्का की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अमेरिका पर आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका इसे हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में वैश्विक तेल परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता भी फिलहाल गतिरोध में है।इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली वार्ता में ईरान ने अमेरिका की हालिया कार्रवाइयों को अस्वीकार्य बताते हुए अंतिम निर्णय पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। इस असमंजसपूर्ण स्थिति में, वार्ता न केवल स्थगित हुई है बल्कि इसका भविष्य भी अनिश्चित है। ईरान का तर्क है कि यदि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में नाकाबंदी और अमेरिकी जहाजों की जब्ती जैसी घटनाओं को समाधान नहीं मिलता,तो कोई दीर्घकालिक समझौता संभव नहीं है। वहीं, अमेरिका ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने और जल मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कोई समझौता छोड़ने के मूड में नहीं हैं। साथियों बात अगर हमअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभी बयान की करें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर ईरान ने अस्थायी युद्ध विराम का उल्लंघन किया या अमेरिकी हितों पर हमला किया, तो अमेरिका कट्टर सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। इस प्रकार, अमेरिका का दृष्टिकोण इस क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बनाए रखने और ईरान को समझौते के लिए बाध्य करने का रहा है।हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का संकट, जो विश्व तेल बाजार के लिए संवेदनशील है, वर्तमान तनाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। ईरान की नाकाबंदी ने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका ने इस जलडमरूमध्य को खोलने के लिए न केवल कूटनीतिक दबाव बढ़ाया है, बल्कि युद्ध विकल्पों पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। इस बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी हमला हुआ, तो वे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। यह स्थिति पूरी तरह से अस्थायी युद्ध विराम की स्थिरता को चुनौती दे रही है। इस तरह का तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। तेल की बढ़ती कीमतें, व्यापार में व्यवधान और क्षेत्रीय सैन्य तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की भूमिका इस संकट में नई गहराई जोड़ रही है इसको समझने की करें तो, ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात करने रूस जा रहे हैं, ताकि मिडिल ईस्ट के हालात और हॉर्मुज़ की नाकाबंदी पर चर्चा की जा सके। यह कदम न केवल ईरान की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत है कि ईरान अमेरिका के एकतरफा दबाव को अस्वीकार करते हुए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाना चाहता है। रूस की मध्यस्थता संभावित रूप से अस्थायी युद्ध विराम को स्थिर करने और दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर वापस लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इस कदम से यह भी साफ़ होता है कि ईरान वैश्विक शक्ति संतुलन के दृष्टिकोण से अपने विकल्पों का विस्तार करना चाहता है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम हो और मध्यस्थ देशों के माध्यम से सटीक रूप से दबाव संतुलित किया जा सके। साथियों हालांकि, स्थिति अत्यंत नाजुक है। 27 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार, अस्थायी युद्ध विराम टूटने की कगार पर है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में नाकाबंदी, जहाजों की जब्ती और अमेरिका की सैन्य दबाव नीति ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है।पाकिस्तान की मध्यस्थता और रूसी कूटनीतिक प्रयास फिलहाल गतिरोध में हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस तनावपूर्ण दौर में किसी भी पक्ष की जल्दबाजी एक व्यापक सैन्य संघर्ष की चिंगारी पैदा कर सकती है। अमेरिका और ईरान दोनों ही अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख पर बने हुए हैं, जिससे वार्ता में किसी भी प्रकार के तत्काल समाधान की संभावना कम दिख रही है। इस तनाव का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। साथियों अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्ध विराम का भविष्य पूरी तरह अनिश्चित है। अगर ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान नहीं निकला,तो हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैन्य संघर्ष और तेल आपूर्ति में व्यवधान, विश्व बाजार में अप्रत्याशित अस्थिरता ला सकते हैं। दूसरी ओर,अगर रूस और पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा पाए, तो युद्ध विराम को स्थिर किया जा सकता है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, अमेरिका और ईरान का अस्थायी युद्ध विराम एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ है, जो किसी भी समय बदल सकता है, और इसकी सफलता पूरी तरह से दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय दबाव और क्षेत्रीय सैन्य रणनीति पर निर्भर करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान तनाव और अस्थायी युद्ध विराम, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह दिखाता है कि मध्यपूर्व में सैन्य और कूटनीतिक संतुलन बेहद संवेदनशील है, और किसी भी छोटे कदम या गलती से बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं कीश्रृंखला शुरू हो सकती है। 27 अप्रैल 2026 तक का यह चरण न केवल अमेरिका और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों का परिक्षण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह एक चुनौती है कि वह मध्यस्थता, कूटनीति और दबाव की संतुलित रणनीति अपनाए, ताकि मिडिल ईस्ट में स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पूछपरख सामान्य रहने से मंगलवार को अनाज मंडी में चना मजबूती पर रहा। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में बाजार सुस्ती के रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में कारोबार सामान्य ही देखा गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख रहने से भावों में सुधार रहा। मसूर में टिकाव बना रहा। खाद्य तेलों में सुस्ती कायम रही। तिलहनों में बाजार पूर्वस्तर पर रहे। उधर, किराना जिंसों में सामान्य कारोबार के बीच भावों में विशेश तेजी मंदी का अभाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शकर 4050-4170, खोपरा गोला 370-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1630, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1470-1475, कपास्या 1425, धूलिया 1410, कड़ी 1430,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1440-1450, मुम्बई सोया 1490-1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5800-5900, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5650-5750, एवरेज 5450-5575, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूं पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे :-

चाँदी (9999) 240000, चाँदी (99) 249700, टंच 239100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 41 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.61 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 24 पैसे टूटकर 94.39 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और महीने के अंत में डॉलर की मांग में बढ़ोतरी से रुपये पर दबाव बना रहा। साथ ही सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान भी देखने को मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि ब्रेंट तेल की कीमत 109 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से भी निवेशकों का मनोबल कमजोर हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.35 पर खुला। फिर और टूटकर शुरुआती कारोबार में 94.39 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.15 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर जारी संशय के कारण कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 416.72 अंकों टूटकर 76,886.91 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97 अंक नीचे आकर 23,995.70 पर पहुंच गया। वहीं आज व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.42 फीसदी और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.28 फीसदी की बढ़त रही। वहीं क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस और

निफ्टी मेटल को छोड़कर तकरीबन सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में रही। इसके अलावा निफ्टी ऑटो भी नीचे आया। निफ्टी के शेयरों की बात करें तो एक्सिस बैंक, मारुति, एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज-ऑटो, एसबीआई और इंफोसिस के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। दूसरी ओर ओएनजीसी, अदाणी एंटरप्राइजेज और कोल इंडिया के शेयरों में बढ़त रही। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, इटरनल और टाटा स्टील के शेयर भी उछलकर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,094 पर खुला। वहीं निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,049 पर खुला। जबकि सोमवार को यह 24,100 के ऊपर बंद हुआ था।

एनडीएफ सहित बड़े विदेशी लेन-देन पर रहेगी नजर, बैंकों को देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये की स्थिरता सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब विदेशी बाजारों में होने वाले रुपये से जुड़े डेरिवेटिव सौदों पर भी उसकी सीधी निगरानी रहेगी। यह कदम रुपये की ग्लोबल ट्रेडिंग को मजबूत करने और उसकी वास्तविक कीमत बेहतर ढंग से तय करने के मकसद से उठाया गया है। नए नियमों के तहत, नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) जैसे विदेशी रुपये-आधारित डेरिवेटिव अनुबंध भी RBI के दायरे में आ जाएंगे। अब तक निगरानी केवल घरेलू बाजार तक सीमित थी, लेकिन अब विदेशी लेन-देन भी शामिल होंगे। आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अपने समूह और विदेशी सहयोगी कंपनियों के सभी महत्वपूर्ण ऑफशोर लेनदेन की विस्तृत जानकारी, जैसे मूल्य, परिपक्वता और काउंटरपार्टी, आरबीआई को दें। इससे रुपये पर दबाव के स्रोतों और संभावित जोखिमों को समझने में मदद मिलेगी। यह नई व्यवस्था जुलाई 2027 से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी और जुलाई 2028 तक अधिकांश विदेशी डेरिवेटिव डेटा की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो जाएगी, जिससे पूरा सिस्टम पारदर्शी बनेगा। छोटे लेन-देन और बैंक-टू-बैंक सौदों को रिपोर्टिंग से छूट दी गई है।

वित्त वर्ष 27 की कमाई पर मंडराया संकट, तेल की कीमतें बनी चिंता

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय कंपनी जगत के लिए आने वाले वित्त वर्ष 2026-27 की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में विश्लेषकों ने कटौती करनी शुरू कर दी है। इसके पीछे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष और कच्चे तेल की लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई कीमतें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कारकों का पूरा असर अभी सामने नहीं आया है, और यह अगली कुछ तिमाहियों में कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय कंपनियों की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में कमी की है। निप्पॉन इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट के एंड्रयू हॉलैंड को खाड़ी युद्ध से पहले 10-12 फीसदी वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब युद्ध के लंबा खिंचने पर 6-10 फीसदी तक घट सकती है। उनका मानना है कि कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का वास्तविक असर अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है। वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतें लगभग 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई हैं, जिसका मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में गतिरोध है। विशेषज्ञों का मानना है कि हॉरमुज स्ट्रेट में किसी भी बाधा की स्थिति में तेल की कीमतें 90-100 डॉलर प्रति बैरल पर ऊंची बनी रह सकती हैं, हालांकि स्ट्रेट खुलने पर तेजी से गिरावट भी आ सकती है। तेल की कीमतों का प्रभाव कमाई पर दिखने में समय लगेगा और यह एक तिमाही तक बना रह सकता है। विशेषज्ञों ने भी पश्चिम एशिया की जंग के चलते वित्त वर्ष 2027 में कंपनियों की कमाई में बढ़ोतरी को लेकर जोखिमों का इशारा किया है। उनका अनुमान है कि संघर्षविराम के बावजूद, आपूर्ति में रुकावटें और ऊंची लागत अगले कुछ महीनों तक बनी रहेंगी, और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने में तीन से चार महीने लग सकते हैं। हालांकि एक विश्लेषण के अनुसार मार्च 2026 की तिमाही के नतीजे घोषित करने वाली 141 कंपनियों का शुद्ध लाभ (असाधारण मदों को समायोजित करने के बाद) सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़ा है, जो पिछली 10 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह मौजूदा मजबूत प्रदर्शन और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच के अंतर को दर्शाता है।

मेष- आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए दरवाजे खोलने वाला साबित होगा। करियर में अचानक उछाल देखने को मिलेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन साथ ही कुछ छुपे हुए विरोधी भी सक्रिय हो सकते हैं, जो आपके काम में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। आपको अपनी समझदारी और संयम से हर परिस्थिति को संभालना होगा। यदि कोई कर्ज लंबे समय से आपके ऊपर बोझ बना हुआ था, तो आज उसे काफी हद तक कम करने का अवसर मिल सकता है।

वृषभ- आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा और आप जो भी काम शुरू करेंगे, उसमें सफलता के संकेत दिखाई देंगे। कारोबार में नई योजनाओं की शुरुआत आपके लिए फायदेमंद रहेगी और आप पूरे उत्साह के साथ काम में जुटे रहेंगे। जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट आपके रिश्ते में मिठास घोल देगा। हालांकि, काम के दबाव के कारण स्वभाव में थोड़ी चिड़चिड़ाहट आ सकती है, जिससे परिवार के सदस्य नाराज हो सकते हैं। इसलिए अपनी वाणी और व्यवहार में संतुलन बनाए रखें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कुछ खास कर दिखाने का संकेत दे रहा है। आपके अंदर नई ऊर्जा और उत्साह रहेगा, जिससे आप अपने कामों को अलग पहचान देने में सफल होंगे। हालांकि, बिजली से जुड़े उपकरणों का उपयोग करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। सांसारिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, लेकिन काम का दबाव भी आपको थोड़ा परेशान कर सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग और साथ आपको मानसिक शांति देगा। यदि पारिवारिक व्यवसाय में किसी प्रकार की कड़वाहट चल रही थी, तो आज वह दूर हो सकती है और रिश्तों में फिर से मिठास आएगी। यात्रा के योग बन रहे हैं, लेकिन अपने सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन सावधानी से भरा रहेगा। कार्यस्थल पर कुछ लोग आपके खिलाफ साजिश रच सकते हैं, इसलिए आपको सतर्क रहकर अपने काम को ईमानदारी से करना होगा। यदि आप कहीं यात्रा पर जाने की सोच रहे हैं, तो माता-पिता की सलाह अवश्य लें। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, जिससे खर्च भी बढ़ेगा।

कन्या- आज आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं, जिन्हें टालना संभव नहीं होगा, लेकिन आपकी समझदारी आपको सही निर्णय लेने में मदद करेगी। निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी और आप अपने भाई-बहनों के साथ मिलकर कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं। यदि पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद चल रहा था, तो उसके सुलझने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला- आज आपको अपने कामों में धैर्य और संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। मन में चल रही उलझनें आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं, लेकिन यदि आप शांत रहकर निर्णय लेंगे, तो स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। कोई नई जिम्मेदारी मिलने पर उसे पूरी ईमानदारी से निभाएं और किसी से वादा सोच-समझकर ही करें। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और आप पूजा-पाठ या किसी आध्यात्मिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खुशियों और संतोष से भरा रहेगा। आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती नजर आएगी। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छा अवसर मिल सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक और अनुकूल रहेगा। नौकरी बदलने के प्रयास सफल हो सकते हैं और रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आपकी आय के नए स्रोत खुलेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपको अपनी आय और खर्च में संतुलन बनाए रखना होगा।

मकर- आज का दिन आपके प्रभाव और सम्मान में वृद्धि लेकर आएगा। आपके नए प्रयास सफल होंगे और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। लंबे समय से आ रही बाधाएं दूर होंगी, जिससे आप राहत महसूस करेंगे। माता जी की सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी के बहकावे में आकर कोई बड़ा जोखिम न लें, क्योंकि इससे बाद में परेशानी बढ़ सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और सकारात्मक परिणामों से भरा रहेगा। आपको कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जो शुरुआत में आपको भारी लगेगी, लेकिन धीरे-धीरे आप उसे अच्छे से संभाल लेंगे। संतान के साथ समय बिताने और कहीं घूमने का मौका मिलेगा। किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। यदि कोई डील लंबे समय से अटकी थी, तो उसके फाइनल होने से खुशी मिलेगी। भाई-बहनों का सहयोग आपको आगे बढ़ने में मदद करेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए आध्यात्म और अच्छे कर्मों से जुड़कर नाम कमाने का रहेगा। आप अपने पिताजी से काम को लेकर सलाह लेंगे, जिससे आपके निर्णय बेहतर होंगे। मन में कुछ उलझनें रह सकती हैं, लेकिन जीवनसाथी के साथ बैठकर आप पारिवारिक समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। आज आप अपने लिए कुछ नई चीजों की खरीदारी कर सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

शब्दजाल - 8243

बं	म	मा	है	लो	ब्र	द	र	ह	क	ल
हा	ठै	सू	ह	गु	ल	जी	स	ल	क	क
हे	वी	औ	द	अं	ला	त	र	म	ल	भी
रा	र	दा	र	ल	क	म	ओ	र	सु	अ
म	स	न	ष	व	म	मी	छ	बा	न	ल
प	मी	त्या	स	जि	ब	क	प	बू	स	वि
के	ह	बु	की	ठै	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	छ	कु	छ	हो	ता	है	प	ना
प	हे	ली	सू	ह	प	ने	ने	ल	जी	क
म	व	म	ब	फ्र	दी	र	ह	टी	क	ह
म	ह	न	ह	म	तु	म	न	ज	ल	ना

शब्दजाल में रानी मुखर्जी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

कभी अलविदा ना कहना, बाबूल, पहेली, हमतुम, सत्या, हे राम, हैलो ब्रदर, गुलाम, बंटी और बबली, कुछ कुछ होता है

शब्दजाल - 8242 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7187

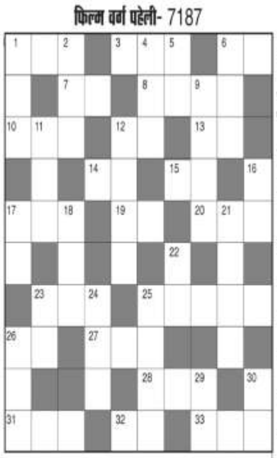

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मारा तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीनो रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली अमित, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ मर्डे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी पे जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'चाइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-३
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बरात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. विजय आनंद, कृतिका पने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, साधना की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भोले देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जानि, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7186

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 119 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 19.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 00.17 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 20.52 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.19 बजे तदनन्तर तैतिल 19.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 24'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872694
जूलियन दिन 2461159.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 11

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	06.26 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.24 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.37 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.54 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.05 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.16 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.31 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.47 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.52 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.38 बजे से
12.00 से 1.30		मीन	03.11 बजे से
बजे तक		मेष	04.42 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः विश्वास

एक संत अपने शिष्यों के साथ नाव से नदी पार कर रहे थे। अचानक तेज हवाएं बहने लगीं और नदी में पानी उछलने लगा। संत की नाव के साथ जो नावें चल रही थीं, वे बुरी तरह थरथराने लगीं। कुछ ही क्षणों में लहरों का पानी नाव के भीतर आने लगा। शिष्य बुरी तरह डरने लगे। नाव के एक कोने में एक शिष्य बेफिक्र सोया था। उसके साथियों ने उसे झकझोर कर जगाया। उसने पूछा, 'क्या बात है, मुझे किस कारण से जगाया है?' उसके साथियों ने तूफान के बारे में उसे बताया। उस शिष्य ने बहुत शांति से चारों ओर नजरें घुमाकर देखा और कहा, 'तूफान आते ही हैं और मनुष्य का भी अंत होता ही है। इसमें ऐसी कौन सी आश्चर्यजनक बात है।' सभी साथी उसका उत्तर सुनकर सन्न रह गए। भयभीत साथियों के उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना उस शिष्य ने आंखें बंद कर लीं। उसके साथी समझ रहे थे कि उसने संकट को भली-भांति पहचाना नहीं है। इसी कारण वह स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ पा रहा है। उधर अपनी मस्ती में खोए हुए उस शिष्य ने आंखें बंद करके दोनों हाथ ऊपर उठाकर भगवान से प्रार्थना प्रारंभ की। अन्य साथियों ने समझा कि यह अपना अंतिम समय निकट जानकर भगवान से अपनी भूलों के लिए क्षमा मांग रहा है लेकिन शिष्य ने आंखें बंद किए हुए ही कहा, 'ऐ तूफान, तुम तुरंत शांत हो जाओ ताकि हम सुरक्षित उस पार पहुंच जाएं।' तूफान तुरंत शांत हो गया। नाव का हिलना बंद हो गया। शिष्यों ने भी चैन की सांस ली। उसके साथियों ने उस शिष्य से पूछा, 'आखिर तुमने ऐसा क्या किया कि इस भयंकर तूफान को शांत कर दिया।' वह सहजता से बोला 'मित्रो, विश्वास की शक्ति असीम है। तूफान विश्वास से बड़ा नहीं हो सकता। अपने विश्वास पर सदा अडिग रहना चाहिए।'

सूडोकु नवताल- 7496

★☆☆☆☆ सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7495 का हल

शब्द पहेली - 8711

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली - 8710 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रशासन की अनदेखी के चलते दिखावे की संस्कृति हावी

डीजे का शोर व पेपर ब्लास्टर के कचरे से आमजन परेशान

पद्मेश न्यूज। लांजी।

वर्तमान में जारी वैवाहिक सीजन में दिखावे की संस्कृति आम जनजीवन पर भारी पड़ रही है। सड़कों पर डीजे और धुमाल की कान फोड़ू ध्वनि के साथ अब पेपर ब्लास्टर मशीनों का बढ़ता चलन शहर की व्यवस्था बिगाड़ रहा है। विडंबना यह है कि प्रशासन द्वारा दी जा रही अनुमतियां केवल कागजों तक सीमित हैं, जबकि सड़कों पर नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में अचानक आंधी और तेज हवाओं का चलना आम बात हो चुकी है। बाराती सड़कों पर पेपर ब्लास्टर चलाकर और कचरा फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन असली समस्या उसके बाद शुरू होती है। जब तेज हवाएं चलती हैं, तो सड़कों पर जमा यह बारीक कागजी कचरा बवंडर बनकर हवा में तैरने लगता है। यह उड़ता हुआ कचरा राहगीरों और वाहन चालकों की आंखों में गिरकर दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है। सड़कों के किनारे स्थित घरों और प्रतिष्ठानों में यह कचरा इस कदर भर जाता है कि लोगों का वहां बैठना दूभर हो गया है। प्रशासन की अनदेखी का खामियाजा उन निर्दोष नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका इन आयोजनों से कोई लेना-देना नहीं है।

मवेशियों के लिए डेथ वारंट, प्रशासनिक अनुमति पर उठे सवाल

इस कचरे का सबसे भयावह पक्ष पशुधन से जुड़ा है। सड़कों पर चारा तलाशने वाले बेजुबान मवेशी इन चमकदार और जहरीले कागज के टुकड़ों को खा रहे हैं। ये टुकड़े मवेशियों के पेट में जाकर जमा हो रहे हैं, जो उनके लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। एक ओर सरकार गौ-संवर्धन की बात करती है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की नाक के नीचे सड़कों पर ऐसा जानलेवा कचरा फैलाया जा रहा है, जो सीधे तौर पर पशुओं की मौत का कारण बन रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सवाल यह उठता है कि जब प्रशासन डीजे और धुमाल के उपयोग की अनुमति प्रदान करता है, तो क्या उस अनुमति पत्र में ध्वनि की सीमा और सड़कों पर गंदगी न फैलाने की शर्तें स्पष्ट रूप से उल्लेखित होती हैं? यदि नियम हैं, तो उनका पालन कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारी सड़कों पर क्यों नजर नहीं आते? प्रशासन द्वारा दी जा रही यह शिथिल अनुमति आयोजकों के हौसले बुलंद कर रही है।

प्रशासन से कार्यवाही की मांग

क्षेत्र की जनता अब प्रशासन से ठोस जवाब और कार्यवाही की मांग कर रही है। क्या प्रशासन ऐसे आयोजकों और डीजे संचालकों पर जुर्माना लगाएगा जो सड़कों को कूड़ेदान बना रहे हैं? क्या अनुमति पत्र की शर्तों का उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे? यदि समय रहते इन पेपर ब्लास्टर मशीनों और अनियंत्रित शोर पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो सार्वजनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।

सरस्वती शिशु मंदिर में 1 मई से पांच दिवसीय निःशुल्क समर कैंप

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्कूली शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनकी छिपी हुई प्रतिभा को मंच देने के लिए लांजी में एक अनूठी पहल होने जा रही है। कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति लांजी द्वारा संचालित विद्याभारती सरस्वती शिशु मंदिर/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आगामी 1 मई से पांच दिवसीय निःशुल्क समर कैंप 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। अक्सर गर्मियों की छुट्टियों में बच्चे मोबाइल या टीवी तक सीमित रह जाते हैं, लेकिन यह समर कैंप उन्हें रचनात्मकता की नई दुनिया से रूबरू कराएगा। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि 1 मई से 5 मई 2026 तक चलने वाले इस शिविर में बच्चों को आधुनिक और पारंपरिक शिक्षा का अद्भुत मिश्रण मिलेगा। यह कैंप पूरी तरह निशुल्क है, ताकि नगर के हर वर्ग का बच्चा इसका लाभ उठा सके।

रोचक गतिविधियां जो बच्चों को बनाएंगी स्मार्ट

इस पांच दिवसीय शिविर में केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन कौशल सिखाने पर जोर दिया गया है। कैंप में मुख्य रूप से निम्नलिखित आकर्षण रहेंगे जिसमें विज्ञान के जादू- जटिल विज्ञान को प्रयोगों के माध्यम से सरल और रोचक तरीके से समझना। वैदिक गणित- गणनाओं को चुटकियों में हल करने की प्राचीन भारतीय तकनीक। स्पोकन इंग्लिश- बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और अंग्रेजी बोलने के झिझक को दूर करने के लिए विशेष सत्र। योग एवं वंदना- शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए दिन की शुरुआत आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ। कला और खेल- पेंटिंग, डांस, शारीरिक व्यायाम और विभिन्न खेल-कूद के जरिए बच्चों के रचनात्मक और शारीरिक पक्ष को मजबूत किया जाएगा।

शिविर का समय और प्रबंधन

समर कैंप का समय सुबह 07 बजे से 09 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि भीषण गर्मी शुरू होने से पहले बच्चे अपनी गतिविधियों को आनंदपूर्वक संपन्न कर सकें। विद्यालय समिति ने नगरवासियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाएं और अपने बच्चों को इस शिविर में अवश्य भेजें। इस कैंप के माध्यम से न केवल बच्चों का बौद्धिक स्तर ऊंचा उठेगा, बल्कि उनमें अनुशासन और टीम भावना का भी विकास होगा।

नगर परिषद् लांजी में मनोनित पार्षदों का किया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल द्वारा जारी आदेश दिनांक 29 मार्च 2026 के अनुसार नगर परिषद् लांजी में चार नए मनोनित पार्षदों की नियुक्ति की गई है।

इन मनोनित पार्षदों में आलोक चौरसिया, श्रीमती सुशीला दुग्गड़, श्रीमती प्रगति पालिवाल एवं अविनाश रैंच शामिल हैं।

मंगलवार 28 अप्रैल को नगर परिषद् लांजी के सभा कक्ष में इन सभी मनोनित पार्षदों का फूलमालाओं से भव्य स्वागत सत्कार किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद् पदाधिकारियों ने नए मनोनित पार्षदों का स्वागत करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं एवं अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने तथा उन्हें सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपेक्षा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद् अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, सभापति दिनेश कचवाहे, विजय गोस्वामी, किशोर रामटेकर, पार्षद संजय सैयाम, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गोस्वामी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयुर वाहने, उपयंत्री अमित नगपुरे, लेखापाल श्रीमती वंदना भार्गव, छगनलाल मिश्रा, उत्तम रामटेकर, उपकेन वराड़े, श्याम वघारे सहित नगर परिषद् के समस्त पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नए मनोनित पार्षदों ने भी नगर परिषद् की प्रगति और लांजी शहर के विकास में पूर्ण सहयोग देने का विश्वास व्यक्त किया।

नंदनी की हत्या के मामले में पुलिस ने पति योगराज को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी अनुभाग के थाना बहेला अंतर्गत ग्राम रिसेवाड़ा में हुई 27 वर्षीय नंदनी नाईक की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर सुलझा लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतिका के पति योगराज उर्फ योगेश उर्फ टैंपू नाईक को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि घरेलू विवाद और पत्नी पर अनावश्यक पाबंदियां लगाने की सनक के चलते आरोपी ने इस खूनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच और परिजनों के बयानों के अनुसार, आरोपी योगराज अपनी पत्नी नंदनी को मायके जाने और बच्चों को घर से बाहर निकलने पर पाबंदी लगाता था। इसी बात को लेकर घर में अक्सर विवाद और मारपीट होती थी। घटना वाली रात 26 अप्रैल को भी इसी बात पर विवाद हुआ, जिससे आक्रोशित होकर आरोपी ने नंदनी के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्राणघातक हमला कर दिया। अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण नंदनी की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

सिर में गंभीर चोट लगने से हुई थी महिला की मृत्यु.....

बहेला थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रामकुमार रघुवंशी ने बताया कि 27 अप्रैल को मर्ग जांच के दौरान घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया

और साक्ष्यों का मिलान किया गया। शासकीय अस्पताल बहेला के चिकित्सक द्वारा दी गई संक्षिप्त पीएम रिपोर्ट में मृत्यु का मुख्य कारण सिर में आई गंभीर चोट को बताया गया है। साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी योगराज के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी पर निम्नलिखित धाराओं के तहत कार्यवाही की है जिसमें धारा 103(1) बीएनएस- हत्या के लिए दंड। धारा 238(ख) बीएनएस- साक्ष्यों को मिटाने या पुलिस को गुमराह करने का प्रयास।

ग्रामीणों और परिजनों ने दी जानकारी

मृतिका के पिता रामू टेकाम ने बताया कि उनकी बेटी ने 7-8 वर्ष पूर्व योगराज से प्रेम विवाह किया था, लेकिन विवाह के कुछ समय बाद से ही आरोपी उसे प्रताड़ित करने लगा था। पूर्व में गांव के सरपंच और अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी आरोपी को समझाने का प्रयास किया था, किंतु उसकी आदतों में कोई सुधार नहीं आया। सोमवार सुबह जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो कमरे में चारों तरफ खून फैला हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है।

संत शिरोमणि नंदा सेन महाराज की 726वीं जयंती पर समाज के दिनभर चले धार्मिक-सामाजिक आयोजन

युवक-युवती परिचय सम्मेलन बना आकर्षण का केंद्र, मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर बढ़ाया उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केश शिल्पी सेन नाई समाज जिला बालाघाट के तत्वावधान में समाज के आराध्य संत शिरोमणि नंदा सेन जी महाराज की 726वीं जयंती इस वर्ष भी पारंपरिक श्रद्धा, सामाजिक एकता और उत्साह के साथ मनाई गई। सोमवार 28 अप्रैल को शहर के पॉलीटेक्निक कॉलेज के समीप स्थित छत्रपति शिवाजी सामुदायिक कुनबी भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों, सामाजिक गतिविधियों और सम्मान समारोहों का आयोजन किया गया, जिससे पूरे समाज में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह सेन चौक से हुई, जहां समाज के लोगों ने एकत्रित होकर संत शिरोमणि नंदा सेन महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना और जलाभिषेक कर समाजजनों ने अपने आराध्य को नमन किया। इस दौरान समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नंदा सेन महाराज के जीवन दर्शन, समाज सुधार में उनके योगदान और उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। पूजन कार्यक्रम के बाद समाजजन रैली के रूप में कार्यक्रम स्थल छत्रपति शिवाजी सामुदायिक कुनबी भवन पहुंचे, जहां भव्य मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर उपस्थित रहीं। उनके साथ समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिला संगठन की प्रतिनिधि, युवा संगठन के सदस्य और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संत शिरोमणि नंदा सेन महाराज केवल सेन समाज ही नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके जीवन से सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश मिलता है। समाज को शिक्षा, संगठन और संस्कारों के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई। संगठन के जिलाध्यक्ष रवि नागपुरकर और महिला संगठन अध्यक्ष श्रीमती दामिनी गौंडाने ने बताया कि प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को नंदा सेन महाराज की जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष 14 अप्रैल को समाज द्वारा सादगीपूर्वक जयंती मनाई गई थी, जबकि समाज के अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 28 अप्रैल को जिला स्तरीय सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण युवक-युवती परिचय सम्मेलन रहा। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 20 युवक-युवतियों ने मंच पर पहुंचकर अपना परिचय दिया। समाज के लोगों ने इसे सामाजिक समरसता और वैवाहिक रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल बताया। अभिभावकों ने भी इस आयोजन की सराहना की। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले करीब 50 छात्र-छात्राओं को मंच पर बुलाकर स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिला। देर शाम कार्यक्रम का समापन सेन चौक में महाआरती के साथ हुआ। समाजजनों ने सामूहिक रूप से आरती में भाग लिया और आतिशबाजी कर जयंती की खुशियां मनाईं। पूरे दिन चले कार्यक्रमों ने समाज में एकजुटता, संस्कार और सामाजिक भागीदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर समाज के जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी, महिला संगठन, युवा संगठन, विभिन्न समितियों के सदस्य, वरिष्ठजन, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में स्वजातीयजन उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लांजी में शासकीय कुओं की व्यापक सफाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। जल संरक्षण और जलस्रोतों के संवर्धन के उद्देश्य से नगर परिषद लांजी ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 09 में विशेष सफाई अभियान चलाया।

इस अभियान के दौरान क्षेत्र के सभी शासकीय कुओं की गहन सफाई की गई। कुओं में जमा गाद, कचरा, पत्तियां तथा अन्य मलबे को पूरी तरह बाहर निकाला गया। साथ ही जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए कुओं में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया गया।

नगर परिषद के अधिकारियों का मानना है कि इस सफाई अभियान से कुओं के जलस्रोत पुनर्जीवित होंगे, भूजल स्तर में सुधार होगा और क्षेत्रवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में सभापति एवं पार्षद किशोर रामटेकर की विशेष उपस्थिति रही। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने ने नगर परिषद के कर्मचारियों के साथ मिलकर पूरे अभियान का नेतृत्व किया और इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने भर्ती प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ समय पर करें पूर्ण-उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नर्सिंग कॉलेजों की छात्राओं की नियुक्ति में उपलब्ध सभी जिलों का विकल्प करें प्रदान, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की हुई वृहद समीक्षा

भोपाल। एजेंसी।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, लंबित प्रस्तावों एवं आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाहियों की प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए भर्ती प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बुधनी, दमोह एवं छतरपुर मेडिकल कॉलेजों में टीचर्स के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य संस्थाओं में लंबित आउटसोर्स पदों पर भर्ती के लिए सभी जिलों में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। उन्होंने नर्सिंग कॉलेजों में नर्सिंग शिक्षकों के 59 राजपत्रित पदों पर भर्ती के लिए मांग पत्र लोक सेवा आयोग को शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए। जिला चिकित्सालय राजगढ़ में रैन बसेरे के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की स्वीकृति की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित नर्सिंग कॉलेजों की उत्तीर्ण छात्राओं को नियुक्ति में सभी जिलों का विकल्प प्रदान करने संबंधी कार्यवाही भी प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने परियोजना परीक्षण समिति एवं व्यय वित्त समिति को भेजे जाने वाले प्रस्तावों की वृहद समीक्षा की। उन्होंने नवीन स्वास्थ्य संस्थाओं की स्वीकृति एवं उन्नयन, सागर में कैंसर अस्पताल और सिंगरौली में अस्पताल उन्नयन के प्रस्ताव के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की पूर्ति के निर्देश दिए। कैबिनेट अनुमोदन के लिए एयर एम्बुलेंस संचालन में नई शर्तों का समावेश, शव वाहन के संभागीय संचालन की अनुमति, विशेषज्ञों की सीधी भर्ती, 16 जिला अस्पतालों में नए पदों का सृजन, सी.सी.एच.बी. अंतर्गत पदों की स्वीकृति के प्रस्तावों को आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति कर शीघ्र अग्रेषित करने के लिए कहा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सकों की पदोन्नति के लिए लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 से छूट, विशेषज्ञों की सीधी भर्ती के लिए अनुमति, नर्सिंग ऑफिसर एवं ट्यूटर के 2 हजार 317 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी करने और अस्पताल सहायकों के 1200 पदों पर भर्ती परीक्षा आयोजित करने हेतु आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज रीवा एवं सतना के भ्रमण के दौरान आए विषयों पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रीवा में आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन भुगतान को तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, जिला चिकित्सालय मैहर के लिए भूमि चिन्हांकन प्रक्रिया पूर्ण कर आगामी कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए कहा। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय कुमार शुक्ल उपस्थित थे।

समाज में बदलाव और सकारात्मक सोच के परिचायक हैं सामूहिक विवाह सम्मेलन -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे आयोजन वर्तमान समय में समाज सेवा का सर्वोत्तम माध्यम बन चुके हैं। प्रदेशभर में निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलनों से गरीब माता-पिता के माथे से चिंता की लकीरें खत्म हुई हैं। राज्य सरकार के सहयोग से हो रहे विवाह कार्यक्रमों से आर्थिक रूप के कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह धूमधाम और सम्मान के साथ हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी महीने जबलपुर और धार में बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह संपन्न हुए हैं। इस प्रकार के आयोजन समाज की सकारात्मक सोच और बदलाव के परिचायक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को श्योपुर जिले के कराहल में आयोजित श्री श्री 1008 नोनार सरकार सिलपुरी के सामूहिक विवाह समारोह को मंत्रालय से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिणय सूत्र में बंधे 351 नव युगलों के सुखमय जीवन की मंगलकामनाएं दी। उन्होंने नव दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि उनका जीवन प्रेम, विश्वास और खुशियों से भरा रहे, यही कामना है। आप सभी एक नहीं बल्कि दो-दो परिवारों की रौनक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सर्व समाज के संपन्न लोगों से अपने बच्चों का विवाह सादगीपूर्ण आयोजन में करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब समाज के संपन्न लोग भी शादी-विवाह में फिजूलखर्ची बंद करेंगे और सामूहिक विवाह की व्यवस्था अपनाएंगे तभी यह जनआंदोलन बन सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए श्री नोनार सरकार धाम समिति को बधाई भी दी। सिलपुरी के इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में स्थानीय जनप्रतिनिधि, वर-वधु पक्ष के परिवारजन और ब?ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित थे।

महिला बाल विकास विभागों के नवाचारों की सराहना

भोपाल। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास की अतिरिक्त सचिव श्रीमती कैरोलिन खोंगवार देशमुख ने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ लाभार्थियों तक सेवाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करना प्रशासनिक तंत्र की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मंगलवार को भोपाल प्रवास के दौरान उन्होंने यह बात महिला एवं बाल विकास संचालनालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कही, जहाँ उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पोषण 2.0, मिशन शक्ति और मिशन वात्सल्य की प्रगति का विश्लेषण किया। श्रीमती खोंगवार ने विभागीय नवाचारों की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता और गतिशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए।

श्रीमती देशमुख ने मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं को परखने के लिए भोपाल जिले के विभिन्न केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने ईंटखेड़ी परियोजना के जेपी नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया, जहाँ बच्चों के साथ सीधा संवाद कर उनकी शिक्षा और पोषण के स्तर को समझा। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शगुफ्ता खान ने उन्हें अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (श्ण्ण्ड्ढ) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और स्क्रन्न फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किए गए शिक्षण अधिगम सामग्री (ड्डरू) के उपयोग से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं और केंद्र में बच्चों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती देशमुख ने आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित बाल चौपाल में हिस्सा लेकर पाँच बच्चों का जन्मदिवस मनाया और उन्हें उपहार वितरित किए। केंद्र में स्थापित उदिता कॉर्नर और न्यूट्री कॉर्नर के साथ-साथ उन्होंने वहां विकसित की गई पोषण वाटिका की भी प्रशंसा की, जहाँ सहजन, टमाटर, बैंगन और लौकी जैसी सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना और पोषण ट्रैकर ऐप के प्रभावी उपयोग पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की और उनके समर्पण भाव की सराहना की।

हाका पार्टी ने 20 पशुओं को सड़कों से हटाया तथा 02 घायल/बीमार पशुओं को आसरा में भर्ती कराया

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के गौवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 17 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजा जबकि हाका पार्टी द्वारा 20 पशुओं को सड़कों से हटाया और 02 बीमार/घायल पशुओं को पशु चिकित्सालय आसरा भेजा साथ ही 20 पशुओं को गौशाला भेजने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के जंबूरी मैदान, व्हीआईपी रोड, लालघाटी, सिंगारचैली, स्टेट हैंगर, आशाराम चौराहा, डीआईजी बंगला, आरिफ नगर, छोला रोड, गणेश मंदिर, बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन, रचना नगर, शाहपुरा, करोंद, भानपुर, अयोध्या बायपास आदि क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे 17 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजा जबकि हाका पार्टी द्वारा 20 पशुओं को स?कों से हटाया और 02 बीमार/घायल पशुओं को पशु चिकित्सालय आसरा और 20 पशु खजूरीकलां कांजी हाउस से महामृत्यंजय गौशाला भेजा गया।

गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया जारी, अब तक हुआ 2 हजार 547 करोड़ रूपए की राशि भुगतान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 27 अप्रैल को विधानसभा में प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने के संकल्प के लिए मंत्रि-परिषद की महिला सदस्यों ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अभिनंदन किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नगरीयड्डविकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी तथा पंचायत और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने पुष्प-गुच्छ भेंटकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया।

प्रदेश में बढ़ा गेहूं उपार्जन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन किया गया। मध्यम और बड़े किसानों को स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी गई। इस श्रेणी के 1 लाख 60 हजार 261 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। स्लॉट बुकिंग की अवधि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई तक की गई है। प्रदेश में अब तक कुल 9.49 लाख स्लॉट बुक हुए हैं जिनमें 4.49 लाख किसानों ने अपनी फसल बेची है। अब तक कुल 19.31 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हो चुका है, जिसके लिए 2 हजार 547 करोड़ रूपए की राशि भुगतान की जा चुकी है। प्रत्येक शनिवार के अवकाश दिवस में भी स्लॉट बुकिंग और उपार्जन जारी रहेगा। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 प्रति केन्द्र की गई है। किसान को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा दी गई। किसानों को राहत देते हुए एफए क्यू मापदण्ड को शिथिल करते हुए चमकविहीन गेहूं की सीमा 50त्न तक, सूकड़े दाने की सीमा 06प्रतिशत से बढ़ाकर 10त्न तक और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा बढ़ाकर 06त्न तक की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 19 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलेगा। सभी जिलों में कई गतिविधियां और नवाचार हो रहें है। इसी अभियान के मध्य 25 मई को गंगा दशहरा है। इस दिन पूरे प्रदेश में एक साथ जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां वृहद स्तर पर आयोजित की जायें। अधिक से अधिक व्यक्ति अपने आस-पास की जल संरचनाओं की बेहतरी के लिए श्रमदान करें। जन-जन को जल संरचनाओं के संरक्षण से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया अभियान नगरीय एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक साथ गतिविधियां आयोजित की जायें। जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक, स्वयंसेवी संस्थायें, स्व-सहायता समूह, व्यापारी संगठन एवं अन्य शासकीय, अशासकीय संस्थाओं को भी जोड़ा जाये। मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार के जिलों में अभी से ही इस कार्यक्रम की तैयारी की रूपरेखा बनाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 26 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें संस्करण में भारत की जनगणना 2027 पर केन्द्रित चर्चा की। इस बार जनगणना का अनुभव अलग रहने वाला है क्योंकि यह पूरी तरह से डिजिटल है। गणना करने वाले कर्मचारियों के पास मोबाइल ऐप है। नागरिक खुद भी अपनी जानकारी डिजिटल माध्यम से दर्ज कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जनगणना का महत्व बताते हुये जनगणना की प्रक्रिया में सभी के भाग लेने का आव्हान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण से अपने-अपने क्षेत्र में नागरिकों को जनगणना के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए उन्हें प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप सांदीपनि विद्यालयों से बेहतर परिणाम आने लगे हैं। हाल के ही दसवी एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा के नतीजों में इन विद्यालयों के 58 छात्र-छात्राओं ने मेरिट में स्थान बनाया। दसवीं की मेरिट सूची में 41 विद्यार्थी सांदीपनि विद्यालयों से हैं वहीं बारहवीं में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विगत 4 वर्षों में सांदीपनि विद्यालयों में कक्षा दसवीं में उत्तीर्ण विद्यालयों का प्रतिशत 68 से बढ़कर 88 हो गया। कक्षा बारहवीं का परिणाम इस अवधि में बढ़कर 59 प्रतिशत से 89 प्रतिशत हो गया। सांदीपनि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण परिणामोन्मुख शिक्षा का मॉडल बन रहें हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वन्य जीव संरक्षण और जैव विविधता सहयोग का नया केन्द्र बन गया है। प्रदेश में एक सदी से अधिक समय से जंगली भैंस प्रजाति विलुप्त हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि आज 28 अप्रैल को कान्हा नेशनल पार्क बालाघाट के सूपखार में जंगली भैंसे का पुनर्स्थापन किया गया। चार जंगली भैंसों को उनके नये प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया है। यह जंगली भैंसें असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लाये गये हैं। मध्यप्रदेश और असम के बीच वन्य जीवों के आदान-प्रदान का नया अध्याय शुरू हो रहा है। असम से गैंडें/रायनों के 2 जोड़े लाने की भी योजना है। जंगली भैंसों के आने से मध्यप्रदेश में जैव विविधता का नया आयाम जुड़ा है।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग आत्मनिर्भर भारत के विजन को तेजी से कर रहा है साकार-राज्यमंत्री जायसवाल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विभाग ने पिछले तीन वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि वोकल फॉर लोकल के संकल्प के साथ विभाग ने पारंपरिक कारीगरों और शिल्पियों को सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के सपनों को जमीन पर उतारा है।

राज्यमंत्री जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि प्रदेश के हर गांव के हुनर को बाजार मिले और हर हाथ को काम मिले। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि पारंपरिक शिल्प को आधुनिक नवाचार के साथ संरक्षित किया जाए और 'मृगनयनी' व ओडीओपी उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कुम्हार, बुनकर, बांस शिल्पी, रेशम उत्पादक और महिला स्व-सहायता समूहों को प्राथमिकता पर ऋण, प्रशिक्षण व मार्केटिंग सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि देवास धागा प्लांट जैसी ग्रामीण औद्योगिक इकाइयों को समय-सीमा में पूरा कर युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

1800 करो? का रिकार्ड कारोबार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशों के पालन में विभाग ने रिकॉर्ड रोजगार सृजन किया है। पिछले 3 वर्षों में 2.5 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए ऋण और अनुदान सहायता प्रदान की गई है। एमपी हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम के माध्यम से 1800 करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड कारोबार किया गया है। चंदेरी, महेश्वरी, बाग प्रिंट और गोंड पेंटिंग जैसे पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

एक जिला-एक उत्पाद योजना के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर मेडल (2024) से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मुख्यमंत्री के हर जिले की अपनी पहचान के विजन का परिणाम है। माटी कला और बांस शिल्प को संजीवनी देते हुए कुम्हारों और बांस शिल्पियों को आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराकर 35 हजार से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया गया है।

रेशम संचालनालय के माध्यम से प्रदेश में टसर एवं मलबरी रेशम उत्पादन को विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर बैतूल, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, सिवनी एवं नर्मदापुरम जिलों में रेशम उत्पादन का क्षेत्र बढ़ाया गया है। नर्मदापुरम स्थित रेशम उत्पादन केंद्र में मलबरी रेशम कीट पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जहां किसानों को शहतूत पौधरोपण, उन्नत कीट पालन तकनीक और धागाकरण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं नंदपुरम, जिला मंडला स्थित रेशम कीट पालन एवं बीज उत्पादन केंद्र को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यह केंद्र पूर्वी मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचल के किसानों को उच्च गुणवत्ता के रोग मुक्त अंडे (डीएफएल) एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध करा रहा है। नंदपुरम केंद्र से प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक डीएफएल का उत्पादन कर हितग्राहियों को वितरित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में टसर कोसा उत्पादन में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

पिछले दो वर्षों में 8,500 से अधिक किसानों को रेशम कीट पालन से जोड़ा गया है। हितग्राहियों को कीट पालन उपकरण, प्रशिक्षण एवं 75 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। रीवा एवं उज्जैन में स्थापित शासकीय रेशम केंद्रों से धागाकरण एवं बुनाई इकाइयों को कच्चा माल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे 12 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है। 'सिल्क मार्क' प्रमाणन के साथ मध्यप्रदेश के रेशम उत्पादों को 'मृगनयनी' के माध्यम से राष्ट्रीय बाजार में बेचा जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में विभाग ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से लगभग 1.2 लाख महिलाओं को अगरबत्ती, मसाले, अचार, दोना-पत्तल, सिलाई-कढ़ाई और रेशम धागाकरण जैसे कार्यों से जोड़ा है। डिजिटल मार्केटिंग को बढ़ावा देते हुए मृगनयनी और ओडीओपी उत्पादों को अमेजन, फ्लिपकार्ट और जेम पोर्टल से जोड़कर स्थानीय कारीगरों को पूरे देश का बाजार उपलब्ध कराया गया है। देवास में नया धागा प्लांट लगाने जैसी योजनाएं ग्रामीण औद्योगिकीकरण को बढ़ावा दे रही हैं।

राज्यमंत्री जायसवाल ने बताया कि अब ग्रामोद्योग उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म को और मजबूत किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य है कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप हर गांव के हुनर और हर हाथ को काम मिले। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की भूमिका निर्णायक सिद्ध हो रही है।

जंबूरी मैदान में आयोजित शौर्य दिवस कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव का ऐलान

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ऐलान किया है कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा हिरदेशाह लोधी की जीवनगाथा अब स्कूलों के सिलेबस में शामिल की जाएगी। साथ ही उनके नाम पर तीर्थ स्थल विकसित करने की भी योजना है। सीएम ने यह घोषणा मंगलवार को भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित राजा हिरदेशाह की 168वीं पुण्यतिथि (शौर्य दिवस) कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि राजा हिरदेशाह का जीवन संघर्ष, साहस और देशभक्ति का प्रतीक है, जिसे नई पीढ़ी को जानना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि नर्मदा तट के हीरापुर में राजा हिरदेशाह के नाम पर एक तीर्थ स्थल बनाया जाएगा। साथ ही उनके जीवन और संघर्ष पर शोध कराकर शिक्षा विभाग में इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। नर्मदा टाइगर के नाम से पहचान रखने वाले राजा हिरदेशाह ने अंग्रेज शासन के खिलाफ 1842 में संघर्ष का संकल्प लिया। वे अपने भाइयों के साथ 1858 तक संघर्ष करते रहे।

सीएम ने कहा कि राजा हिरदेशाह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी और आदर्श है। समाज के महापुरुषों के संघर्ष को भी याद करने की आवश्यकता है। जो संघर्षों से लडना जानता है, समाज उसका अभिनंदन करता है। राजा हिरदेशाह ने बुंलेदखंड के बुंदेला और आदिवासी समाज को एकजुट कर अंग्रेजों के समाने आंदोलन शुरू किया था। राज्य सरकार उनके संघर्ष पर शोध कराएगी। उनके जीवन के महत्वपूर्ण घटनाक्रम को लिपिबद्ध कर शिक्षा विभाग में पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने प्रदेश की विरासत और महान हस्तियों का सम्मान करते हुए सबसे पहले रानी अवंतीबाई के नाम पर सागर में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना की। रानी अवंतीबाई का योगदान 1857 की क्रांति में सबसे बड़ा है।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार सनातन संस्कृति के सभी तीज-त्योहार धूमधाम से मना रही है। राज्य सरकार ने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए कृषक कल्याण वर्ष मनाने की पहल की है। नर्मदा किनारे हीरापुर में राजा हिरदेशाह के नाम से एक तीर्थ स्थल का निर्माण किया जाएगा। इतिहास के गौरवशाली पृष्ठ फिर से खुलने चाहिए। महान सम्राट विक्रमादित्य पर भी शोध संस्थान बनाया गया है। प्रदेश सरकार सांस्कृतिक पुनरोत्थान के लिए संकल्पित है। इसीलिए प्रत्येक नगरीय निकाय में सर्व सुविधायुक्त भव्य गीता भवन बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों में एक-एक वृंदावन ग्राम भी तैयार किए जा रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि राजा हिरदेशाह ने वर्ष 1842 से वर्ष 1858 तक लगातार ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष जारी रखा। लोधी समाज सामर्थ्यवान है। इस समाज के सदस्यों ने देश की रक्षा के लिए दुश्मनों से लोहा लिया। समाज के युवाओं को साहसी, शक्तिमान, शिक्षित और संस्कारवान बनने की आवश्यकता है। हमारा संकल्प समाज के साथ है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि राजा हिरदेशाह लोधी ने 1857 की क्रांति से पहले आजादी के लिए 1842 में क्रांति का बिगुल फूंका था। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। लोधी-लोधा समाज के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक जालम सिंह पटेल ने कहा कि लोधी समाज के गौरव राजा हिरदेशाह ने देश की आजादी के लिए अपना बलिदान दिया।

गुरुग्रंथ साहिब के अनादर मामले में प्रकरण दर्ज, जेल गया आरोपी

भोपाल। शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके की ग्रीन पार्क कॉलोनी में गुरुग्रंथ साहिब के अनादर और धार्मिक मर्यादा भंग करने की घटना प्रकाश में आई है। आरोप है, कि एक युवक ने करीब एक साल तक धार्मिक नियमों के विपरीत अपने घर में गुरुग्रंथ साहिब को रखा और उचित सम्मान व स्वच्छता का पालन नहीं किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्रीन पार्क कॉलोनी में रहने वाले पवन पखरानी लंबे समय से अपने घर में गुरुग्रंथ साहिब रखे हुए था। स्थानीय लोगों और गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सदस्यों का कहना है, कि जिस स्थान पर ग्रंथ रखा गया था, वहां साफ-सफाई और धार्मिक मर्यादा का ध्यान नहीं रखा गया, जिससे सिख समाज की भावनाएं आहत हुईं। जानकारी लगने पर भोपाल गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सदस्य और पुलिस मौके पर पहुंचे। काफी समझाइश के बाद पवन पखरानी इस बात पर सहमत हो गया कि गुरुग्रंथ साहिब को विधिवत अरदास के बाद सम्मानपूर्वक गुरुद्वारे में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए पुलिस की मौजूदगी में प्रक्रिया तय की गई। लेकिन अरदास शुरू होने से पहले ही स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि पवन पखरानी ने गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सचिव सरदार हरविंदर सिंह पर हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट की। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया।

ऑनलाइन पेमेंट को लेकर हुए विवाद में दो गुटों में खूनी संघर्ष

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र में एक दुकान पर सामान लेने के बाद ऑनलाइन पेमेंट करने की बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर एक-दूसरे के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष की तरफ से निकेश कुमार राठौर पिता भारत सिंह राठौर (31) ने प्रकरण दर्ज कराते हुए बताया की वह खुशीपुरा में रहते हैं। शनिवार शाम को उनकी भांजी अंजली बिलथरे ने फोन कर बताया की उसकी छोटी बहन सृष्टि बिलथरे के साथ सूरज तिवारी ने मारपीट कर दी है। खबर मिलने पर वह भांजी के घर पहुंचे तो वहां उन्हें सूरज का भाई अनमोल तिवारी मिला। जब निकेश ने उससे सूरज के बारे में पूछा तो वह गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। इसी दौरान सूरज तिवारी, उसके चाचा राम तिवारी भी मौके पर आ गए। राम तिवारी ने लोहे की रॉड निकालकर उसके हाथ पर मार दी। जब बीच बचाव करने उसकी भांजी अंजली बिलथरे आई तब राम तिवारी ने उसके सिर पर लोहे की रॉड मारकर घायल कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चाचा राम तिवारी सहित दोनों भाईयों सूरज और अनमोल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। वहीं अनमोल तिवारी पिता श्याम तिवारी (27) ने भी प्रकरण दर्ज कराते हुए बताया की वह चांदबड़ में किराना दुकान चलाता है।

मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला आज

मुम्बई । एजेंसी।

आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।

टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं। वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।

रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।

वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। सनराइजर्स ने पिछले मैच में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को हराया था। वहीं कप्तान पैट कमिंस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच अब तक 25 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 15 मुम्बई ने जबकि 10 सनराइजर्स ने जीते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

सीएसके खलील की जगह वर्तक को कर सकती है शामिल

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) चोटिल खिलाड़ी खलील अहमद की जगह उभरते हुए बल्लेबाज आयुष वर्तक को शामिल कर सकती है। सीएसके ने इसी को देखते हुए वर्तक को ट्रायल के लिए बुलाया है। गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर मिली करारी हार के बाद से ही टीम अपनी बाल्लेबाली को बेहतर करने लिए इस युवा को अवसर देना चाहती है। वर्तक ने पिछले साल अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी 2025 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था पर इसके बाद भी उसपर किसी ने बोली नहीं लगायी थी। वहीं अब उसे सीएसके से अवसर मिल रहा है।

पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने सीएसके की इस नीति को सराहा है। अश्विन ने सोशल मीडिया में लिखा। सीएसके ने भविष्य के लिए एक मजबूत कोर बनाने में बहुत मेहनत की है। ऐसे बेहतर क्रिकेटर को टीम में लाने का प्रयास अच्छा कदम है। उन्होंने सीएसके की दूरदर्शिता को सराहा, जो मौजूदा सीजन के साथ-साथ भविष्य की टीम को मजबूत करने पर भी ध्यान दे रही है।

वर्तक का ऑलराउंडर के तौर पर रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। कंगा लीग में एमआई की जूनियर टीम के लिए खेलते हुए इस खिलाड़ी ने केवल 36 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। इस खिलाड़ी ने पिछले सीजन में कोल सीके नायडू ट्रॉफी में मुंबई की अंडर-23 टीम की कप्तानी की थी और बाद में उसे मुंबई की रणजी ट्रॉफी संभावित टीम में भी शामिल किया गया। स्टेट ए ट्रॉफी 2025 में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा, जहां उसने सिर्फ छह पारियों में 363 रन बनाए।

ऑरेंज कैप कैप में विराट चौथे नंबर पर पहुंचे, पर्पल कैप में भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स मैच के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप में बदलाव आये हैं। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में अपनी नाबाद 23 रनों की पारी के साथ ही ऑरेंज कैप सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गये हैं। कोहली ने इस मैच में केवल 15 गेंदों में ही 2 छक्के और 1 चौका लगाकर दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन किया। विराट ने अपनी इस पारी के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल को रनों के मामले में पीछे छोड़ दिया है। शुभमन अब शीर्ष पांच से बाहर हो गये हैं। वहीं क्लासेन चौथे स्थान से खिसककर पांचवे पर आ गये हैं। विराट ने इस सत्र में अबतक कुल 8 मैच खेले हैं, इस दौरान उनकी बल्लेबाजी का औसत 58.50 और स्ट्राइक रेट 162 रहा है। वहीं उन्होंने कुल 351 रन बनाए हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर बने हुए हैं। अभिषेक ने 8 मैचों की 8 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 54.29 की शानदार औसत और 212 से अधिक के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से कुल 380 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान लोकेश राहुल ऑरेंज कैप की दौड़ में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस सीजन में 8 मैचों की सभी 8 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 51.14 की औसत और 185.49 के स्ट्राइक रेट से कुल 358 रन बनाए हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी तीसरे स्थान पर हैं। वैभव ने 8 मैचों की 8 पारियों में 44.62 की औसत और 234.87 के तूफानी स्ट्राइक रेट के साथ कुल 357 रन बनाए हैं, जो उनकी क्षमता और भविष्य के लिए एक बड़ा संकेत है। इस सूची में पाँचवें और अंतिम स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं।

ऋषभ की जगह पर मार्करम को कप्तानी दी जाये -वसीम जाफर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स के खराब प्रदर्शन को देखते हुए अब कप्तानी में बदलाव का समय आ गया है। जाफर ने कहा कि वैसे भी कप्तान ऋषभ पंत ब्रेक मांग रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर एडेन मार्करम को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंप देनी चाहिये। जाफर के अनुसार लगातार हार के बाद अब सुपर जायंट्स ऐसे मोड़ पर आ गय है जहां एक और हार से वह बाहर हो जाएगी। अभी टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। उसकी हार का कारण रणनीति में कमजोरी भी रही है। ऋषभ वैसी कप्तानी नहीं कर पाये हैं जैसी उनसे अपेक्षा की जाती है। उनकी कप्तानी में टीम लगातार असफल हो रही है। निराशाजनक रही है। इसका कारण हर मैच में योजनाएं बदलती दिखती हैं, खिलाड़ियों के भूमिका में निरंतरता की कमी रही है। दबाव आते ही टीम बिखरने लगती है। टीम डगआउट में भी संशय में नजर आती है। ऐसे में कप्तानी में बदलाव के अलावा कोई चारा नहीं दिखता।

जाफर का मानना है कि मार्करम बेहद शांत और रणनीतिक कप्तान के रूप में जाने जाते हैं, ऐसे उन्हें जिम्मेदारी देना ठीक रहेगा। इससे ऋषभ कप्तानी के दबाव से मुक्त होकर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

जाफर के अनुसार कप्तानी का के बोझ से उनका स्वाभाविक खेल प्रभावित हो रहा है। वह पिछले सत्र में कप्तान के तौर पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 151 रन बना पाये थे। वहीं इस साल भी उनकी बल्लेबाजी असफल रही है। 27 करोड़ रुपये की कीमत वाले खिलाड़ी से काफी अधिक उम्मीदें की जाती हैं। ऐसे में उन्हें कप्तानी के दबाव से मुक्त करके केवल एक खिलाड़ी के रूप में रखा जाये जिससे वह अपने आक्रामक अंदाज में पूरी क्षमता से खेल सकें। उनकी कप्तानी में रणनीतिक गलती कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में देखने को तब सामने आई जब अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह के लिए नये गेंदबाज दिग्वेश राठी को लगाया गया। रिंकू ने इसका पूरा लाभ उठाते हुए चार छक्के लगाकर मैच पलट दिया।

दिल्ली कैपिटल्स के नाम दर्ज हुआ पावरप्ले में सबसे खराब प्रदर्शन का रिकार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार ऐसा प्रदर्शन किया है जिससे उसके प्रशंसक हैरान हैं। एक मैच में जहां उसने 250 से अधिक बनाये। वहीं दूसरे मैच में वह 100 रन भी नहीं बना पायी। समानता ये रही कि दोनो ही मैचों में उसे हार झेलनी पड़ी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए दूसरे मैच में कैपिल्स ने केवल 75 रन बनाये। इससे उसे मैच में जहां 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं उसके नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिससे वह भूलना चाहेगी।

अब दिल्ली कैपिटल्स 6 ओवर के पावरप्ले में सबसे कम रन और सबसे ज्यादा विकेट गंवाने वाली टीम बन सकती है। इस मैच में कैपिटल्स की टीम केवल 75 रन ही बना पायी थी। वहीं पावरप्ले में उसने केवल 13 रन बनाये थे और इस दौरान 6 विकेट गंवा दिये थे। यह आईपीएल के इतिहास में अब तक का पावरप्ले का सबसे खराब प्रदर्शन है, जिसें आधी से अधिक टीम पावरप्ले में ही आउट हो गयी।

इससे पहले पावरप्ले में सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के नाम दर्ज था। साल 2009 में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ख़िलाफ़ 6 ओवर में 2 विकेट खोकर 14 रन बनाए थे, वहीं 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ 3 विकेट पर 14 रन बनाये थे। इस मैच में दिल्ली के बल्लेबाज रॉयल्स के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये।

दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे हुए मैच

नई दिल्ली। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन उतार चढ़ाव से भरा रहा है। टीम को लगातार दो करारी हार झेलनी पड़ी है। वह अपनी 8 में से 5 मैच हार गयी है और केवल 3 में जीत के साथ ही 6 अंकों लेकर सातवें नंबर पर है। ऐसे में टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर आशंकाएं लगायी जा रही हैं हालांकि उसकी संभावनएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। टीम के अभी 6 मैच बचे हुए हैं और वह उन सभी में जीत जाती है तो सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। इससे उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं अगर वह पांच मैच जीतती है तो उसके कुल अंक 16 तक पहुंच जाएंगे। इससे भी उसे प्लेऑफ्स में जगह मिल सकती है पर उसे नेट रन रेट बेहतर बनाये रखना होगा। वहीं अगर दिल्ली कैपिटल्स अपने बाकी बचे 6 मैचों में से दो या उससे अधिक मुकाबले गंवा देती है, तो उसके लिए प्लेऑफ्स में पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा। इसका कारण ये है कि 14 या उससे कम अंकों वाली टीमों को आमतौर पर प्लेऑफ्स में जगह नहीं मिलती है।

कुनाल ने अपनी सफलता का श्रेय कोच रंगराजन को दिया

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर कृणाल पंड्या ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन का श्रेय स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले कृणाल ने अपनी गेंदबाजी में आए बड़े बदलाव का श्रेय कोच को दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रंगराजन के भरोसे के कारण ही वह मैदान पर नए प्रयोग कर पाये। इसके अलावा कोच ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी, जिससे उनकी गेंदबाजी में एक घातक निखार आया है।

कृणाल ने बताया कि आईपीएल के पिछले दो सीजन में उनकी गेंदबाजी में जो जबरदस्त सुधार देखा गया है, उसके पीछे कोच रंगराजन का निरंतर समर्थन है। आरसीबी से जुड़ने के बाद उनकी भूमिका में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। उन्हें सिर्फ गेंद डालने वाले गेंदबाज के बजाय विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में जिम्मेदारी दी गई, जिसने उन्हें बाउंसर को फेंकने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा कदम था जो आमतौर पर स्पिनरों के लिए आम नहीं माना जाता।

इस आईपीएल में अपनी तेज बाउंसर गेंदों से बल्लेबाजों को लगातार परेशान करने वाले कृणाल ने बताया कि उनकी ये बाउंसर केवल दिखावे के लिए नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे एक ठोस सोच और गहरी योजना होती है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के अच्छे प्रदर्शन के बाद, वे मानसिक रूप से बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के लिए अपने खेल में कुछ नया जोड़ना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने बाउंसर और लो-आर्म ट्राजेक्टरी वाली गेंदें डालना शुरू किया, जो विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ भी बेहद कारगर साबित हुई हैं। कृणाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह प्रयोग उनके लिए काफी सफल रहा है।

कृणाल ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पिनर के लिए बाउंसर डालना आसान नहीं है और इसके लिए असाधारण शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, कम रन-अप में इतनी गति और उछाल लाना वास्तव में कठिन होता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह अभ्यास सत्र में बाउंसर का ज्यादा अभ्यास नहीं करते, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगती है और वह खुद को फिट व तरोताजा रखने के लिए इसे सीधे मैच में ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

इसी अवसर पर, कृणाल पंड्या ने टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को आईपीएल में 9000 रन पूरे करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई भी दी। कोहली इस प्रतिष्ठित लीग में यह मील का पत्थर छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने 275 मैचों और 267 पारियों में 40.05 की प्रभावशाली औसत से यह कारनामा किया है।

वैभव को लेकर मनु बोली, सही मार्गदर्शन मिला तो वह बड़े सितारे बनेंगे

नई दिल्ली। 15 साल की उम्र में आईपीएल में धूम मचा रहे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में जब ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर से पूछा गया तो मनु ने वैभव की सराहना करते हुए कहा कि अगर मेंटरशिप अच्छी है और आसपास का माहौल अच्छा है तो उम्र से फर्क नहीं पड़ता उम्र तो केवल एक नंबर है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी होती हैं और 6 साल में भी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर वैभव को सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वह निश्चित रूप से बड़े सितारे बनेंगे। वहीं मनु जैसी शीर्ष स्तर की खिलाड़ी से इस प्रकार के सवाल पर कई लोगों ने आपत्ति जतायी है। उनका कहना है कि मनु ने भारत के लिए ओलंपिक मंच पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस पहचान और उपलब्धियों को देखते हुए, उनसे किसी क्रिकेटर पर सवाल किया जाना सही नहीं हैं। ओलंपिक पदक से बढ़कर कुछ नहीं है। उसके सामने आईपीएल कहीं नहीं लगात। इस प्रकार के सवाल कर क्रिकेट को अन्य खेलों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जॉय भट्टाचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, दोस्तों, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं। उनसे यह पूछना कि वह वैभव सूर्यवंशी के बारे में क्या सोचती हैं, उनके और उनके खेल के साथ अन्याय है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत में ओलंपिक खेलों और उनके सितारों को क्रिकेट के बराबर सम्मान और पहचान मिल पाती है, या नहीं।

अश्विन बोले, मेरे माता-पिता भी हैं वैभव के प्रशंसक

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने खुलासा किया है कि उनके माता-पिता भी राजस्थान रॉयल्स के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक हैं। 15 साल की उम्र में ही वैभव को अपने खेल से क्रिकेट जगत में एक बड़ी पहचान मिल गयी है। आईपीएल में जिस प्रकार से वह आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं, उससे उनके प्रशंसकों की तादाद तेजी से बढ़ रही है।

अश्विन ने कहा कि उनके माता-पिता वैभव को खेलते देखने के लिए इंतजार भी करते हैं। अश्विन ने कहा कि वैभव की बल्लेबाजी देखने को लेकर उनका पूरा परिवार उत्साहित रहता है। सभी लोग केवल वैभव की बल्लेबाजी देखने के लिए राजस्थान रॉयल्स के मैच एक साथ बैठकर देखते हैं.

अश्विन ने कहा, 卐 मैं राजस्थान का हर मुकाबला अपनी मां और पापा के साथ देखता हूं, वे इस बल्लेबाज के प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि मैंने कभी अपने पापा को किसी और खिलाड़ी के लिए इतना प्रभावित होते नहीं देखा, जितना वह वैभव के लिए होते हैं। हर शॉट पर वह बहुत उत्साहित हो जाते हैं। वहीं मेरी मां भी इसका खेलने का अंदाज देखकर खुश होती हैं।

इस उभरते बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजस्थान केवल 36 गेंद में ही शतक लगा दिया था। इस सत्र में उन्होंने 8 पारियों में कुल 357 रन बनाए हैं, उनका स्ट्राइक रेट अविश्वसनीय 234.86 रहा है। अब तक आईपीएल के इस 19वें सीजन में उन्होंने 31 चौके और 32 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद ओर बल्ले का संतुलन -रिपोर्ट

मुम्बई। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने। यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके-छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके-छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अठारह गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतलुन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

पाटीदार अगर गलती नहीं करते तो आरसीबी के नाम से हट जाता सबसे कम रनों का अनचाहा रिकार्ड

नई दिल्ली। रजत पाटीदारी की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने आईपीएल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 9 विकेट से आसान जीत दर्ज की है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स केवल 75 रनों पर आउट हो गयी थी। आईपीएल में सबसे कम 4 रनों पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड आरसीबी के नाम दर्ज था जो इस मैच में वह हटा सकती थी पर सफल नहीं हुई। कैपिटल ने इस मैच में पावर प्ले में ही 13 रनों पर 6 विकेट खो दिये थे। ऐसे में आरसीबी के पास उसे 49 से कम रनों पर आउट करने का अवसर था जिसमें वह विफल रही। इस मैच में आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु की। उसके गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने दिल्ली के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं देते हुए एक के बाद एक पेवेलियन भेज दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने एक समय 8 रन पर ही 6 विकेट खो दिये थे।

6 ओवर के बाद दिल्ली के केवल 13 रन थे और उसके छह शीर्ष बल्लेबाज आउट हो गये थे। ऐसे में रहा था कि कैपिटल्स टीम 49 रनों से पहले ही आउट हो जाएंगी और आरसीबी के माथे पर लगा सबसे कम स्कोर 49 रनों का रिकार्ड हट जाएगा पर पाटीदार की एक गलती से कैपिटल्स बच गयी।

पाटीदार की गलती ये थी कि उन्होंने पारी का सातवां ओवर नये गेंदबाज रसिख सलाम डार को दिया जबकि भुवनेश्वर के ओवर बचे हुए थे। ऐसे में भुवनेश्वर ही गेंदबाजी करते तो बेहतर रहता। इसके अलावा क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा भी बेहतर गेंदबाजी कर रहे थे। ऐसे में उन्हें गेंद देनी चाहिये थी। रसिख को गेंदबाजी देने के कारण दिल्ली के बल्लेबाज कुछ रन बनाने में सफल रहे। वहीं इसके बाद उन्होंने रोमारियो शेफर्ड को गेंद देकर एक और गलती कर दी। ऐसे में पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि पाटीदार ने रसिख और रोमारियो को गेंदबाजी देकर एक बहुत बड़ी गलती की। अगर वह ऐसा नहीं करते तो कैपिटल्स के नाम सबसे कम रनों का रिकार्ड दर्ज हो जाता।, वरना आरसीबी का 49 रनों का दाग हमेशा के लिए धुल सकता था। वैसे भी हेजलवुड और भुवनेश्वन के ओवर बचे हुए थे।

सचिन ने भगवान वेंकटेश की प्रतिमा ग्रहण करने से पहले जूते उतारे

मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने हाल ही में अपनी धार्मिक निष्ठा और विनम्रता का ऐसा परिचय दिया, जिसने करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह के दौरान, जब उन्हें भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की प्रतिमा भेंट की जा रही थी, तो सचिन ने उसे ग्रहण करने से पहले अपने जूते उतार दिए। इसका एक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहां लोग सचिन के इस सांस्कृतिक सम्मान और श्रद्धा भाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह मामला 27 अप्रैल को विशाखापत्तनम में प्रतिष्ठित आंध्र यूनिवर्सिटी के 100 वर्ष पूरे होने के भव्य समारोह के दौरान हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने 14.11 करोड़ के विकास कार्यों का लोकर्पण एवं भूमिपूजन किया

पुलिस की मोबाईल फारेंसिक वेन का शुभारंभ किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 28 अप्रैल को बालाघाट जिले के गढ़ी क्षेत्र के प्रवास के दौरान ग्राम टोपला में 14 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत के 04 निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस की मोबाईल फारेंसिक वेन एवं स्वास्थ्य विभाग के 100 दिवसीय टीबी रोगमुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ का शुभारंभ किया और उन्हें झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विशेष पुलिस दस्ते में चयनित युवाओं से भेंट कर उन्हें देश सेवा में आगे आने के लिए बधाई एवं शुभकामनायें दी। इस दौरान सांसद श्रीमति भारती पारधी, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम, जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ग्राम टोपला में सूपखार-पटवा-छतरपुर-पटवा-छतरपुर मार्ग पर हालोन नदी पर 04 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि से बनने वाले 65.48 मीटर लंबाई के पुल के लिए भूमिपूजन किया तथा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत किनारदा के ग्राम पोला के महाजनटोला में 60 लाख रुपये की लागत से बने बहुउद्देशीय भवन, 06 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से निर्मित 09.44 किलोमीटर लंबाई की बंधनखेरो-देवगांव-सरईपतेरा-अकलपुर-जैरासी सड़क एवं 01 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से निर्मित 02.58 किलोमीटर लंबाई की मालूमझोला-हथवन-बंधनखेरो सड़क का लोकार्पण किया। इन कार्यो से आदिवासी बहुल ग्रामों में विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा 100 दिवसीय टीबी रोगमुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ का शुभारंभ करने के साथ ही क्षय रोगियों को जल्द स्वस्थ होने के लिए फुड बास्केट का वितरण किया। पुलिस के मोबाईल फारेंसिक वेन का उन्होंने झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मोबाईल फारेंसिक वैन की सुविधा होने से पुलिस को किसी वारदात या घटना के अदृश्य प्रतीत होने वाले साक्ष्य एकत्र करने में सुविधा हो जायेगी और वह अपराधियों को पकड़ने व सजा दिलाने के लिए पुख्ता सबूत जुटा सकेगी। इस अवसर पर उन्होंने फारेंसिक वेन के उपकरणों का मुआयना भी किया।

कूलर में करंट लगने से 32 वर्षीय युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम खैरगांव में सोमवार

की रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। कूलर में अचानक आए करंट की चपेट में आने से 32 वर्षीय युवक परमेश पिता रोशन लाल बाहेश्वर की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब यह युवक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर आया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परमेश खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी शादी 3 साल पहले हुई थी और उनकी दो बेटियां हैं। 27 अप्रैल की रात करीब 8 बजे परमेश अपनी पत्नी रीना और छोटी बेटी के साथ ग्राम कटंगी में एक शादी समारोह में गए थे। रात 10:30 बजे खाना खाकर तीनों घर लौटे। इसके बाद परमेश अकेले ही गांव में धनलाल हरदे के घर शादी में चले गए। घर पर उनकी पत्नी और बच्चे थे।

परमेश रात में कब घर लौटे यह परिजनों को पता नहीं चला। रात करीब 12 बजे पत्नी रीना की नींद खुली तो उन्होंने परमेश को कूलर के पास झुके हुए देखी। रीना ने 3-4 बार आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

जब रीना ने पति को छुआ तो उन्हें तेज करंट का झटका लगा। उसने तुरंत कूलर का स्विच बंद किया और परिजनों को आवाज दी। जेठ-जेठानी मौके पर पहुंचे और परमेश को उठाकर घर के हाल में लाए। परिजनो ने तुरंत परमेश को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने आशंका जताई कि परमेश की मौत पहले ही हो चुकी थी।

जिला अस्पताल पुलिस ने परमेश शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। प्रथम दृष्टया मौत का कारण कूलर में करंट आना बताया जा रहा है। मर्ग कायम कर डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए हट्टा थाना भेज दी गई है। परमेश की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में शोक का माहौल है।

राम मंदिर मे मनाया गया माता सीता का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति संगठन द्वारा सीता माता का जन्मोत्सव श्री राम मंदिर किरनापुर में मनाया गया। इस अवसर पर बहनों द्वारा श्रीराम दरबार का पूजा वंदना कर श्री रामचंद्र कृपालु भजमन की प्रस्तुति दी गई।श्री सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। उपस्थित बहनों ने श्री जानकी माता के जीवन चरित्र पर उनकी विशेषताओं को लेकर अपने-अपने विचार व्यक्त किया।

इस दौरान भाग लेने वाली बहनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिला संयोजिका नलिनी शुक्ल द्वारा सभी को माता सीता के जन्मदिन की बधाई देकर आभार व्यक्त किया गया। अंत में आरती प्रसादी वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती पायल जोशी, रूप अग्रवाल, प्रीति शारदा, रावत बहन जी सीमा शुक्ला का विशेष योगदान रहा।

दहेज के सामान से भरी पिकअप पलटी-चार लोग घायल

दो घायल जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना अंतर्गत मंडला रोड पर स्थित ग्राम बारिया के पास दहेज के सामानों से भरी पिकअप पलटने से चार व्यक्ति घायल हो गए। वही दहेज का सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। सभी घायलों को परसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां से अत्यधिक चोट लगने से दो घायल को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है दोनों घायल जिनमें ज्ञानसिंह पिता राम सिंह मड़ावी 55 वर्ष ग्राम खुरसोड़ा थाना लामता, और बेनीराम पिता नवल सिंह खुरचे 60 वर्ष ग्राम डंडईझोला थाना परसवाड़ा निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल की रात्रि में बेनीराम के चंदना निवासी भांजे की बारात मंडला जिले के ग्राम चिचगांव गई थी। रात में लगन लगाने के बाद 27 अप्रैल को सुबह दुल्हन को लेकर बारात ग्राम चीचगांव से ग्राम चंदना लौट रही थी। पिकअप में दहेज का सामान भरा हुआ था। ज्ञान सिंह और बेनीराम दहेज का सामान संभालने के लिए पिकअप के ऊपर बैठे हुए थे और पिकअप के अंदर चालक सहित तीन लोग बैठे थे। पिकअप चिचगांव से चंदना आ रही थी तभी परसवाड़ा रोड़ पर स्थित ग्राम बारिया के पास तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर रोड किनारे पलट गई। इस दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। पिकअप पलटने से दहेज का सामान पिकअप से फेंका गया और क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में चारों घायल को परसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद अत्यधिक चोट लगने से घायल ज्ञानसिंह और बेनीराम को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। इस दुर्घटना में अन्य दो व्यक्ति को मामूली चोटें आई है। जिनका इलाज परसवाड़ा के अस्पताल में ही किया।

भारत में 1935 में हुई थी पशुओं की गणना

अंग्रेजों के जमाने में कृषि और पुशुओं को संरक्षण ?

नई दिल्ली। देश में इन दिनों जनगणना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। अंग्रेजों ने विभिन्न स्तर पर जनगणना के लिए भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत जनगणना का काम पहली बार हिंदुस्तान में किया। विभिन्न आधार पर कई तरह से विस्तृत गणना 1935 में की गई थी। इसके आंकड़ों के आधार पर विकास का मॉडल एवं योजनाएं बनाने का काम शुरु किया था। भारत में पशुधन हमेशा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। वर्ष 1935 की जनगणना के आंकड़े इस बात का स्पष्ट संकेत देते हैं कि उस समय देश के विभिन्न प्रांतों में गाय, भैंस, भेड़, बकरी और अन्य पशुओं को गणना में शामिल किया गया जो कृषि और परिवहन का प्रमुख आधार थे। उस दौर में संयुक्त राज्य (वर्तमान उत्तर प्रदेश क्षेत्र) में सबसे अधिक लगभग 32,470 गाय-भैंस दर्ज की गईं, जबकि बंगाल और मद्रास जैसे प्रांत भी पशुधन संपदा में समृद्ध थे। 1935 की पशु गणना के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में लगभग 25,287 गाय-भैंस और 6,049 भेड़-बकरियां थीं, वहीं मद्रास में 24,607 गाय-भैंस और 11,701 भेड़-बकरियों की संख्या दर्ज की गई। पंजाब और बम्बई प्रांत भी पशुधन के मामले में समृद्ध थे। उस समय हल और गाड़ियों की संख्या भी काफी अधिक थी, जो दर्शाती है कि कृषि पूरी तरह पशुओं पर निर्भर थी। वर्तमान परिदृश्य में भारत में पशुधन की भूमिका बरकरार है, उसका स्वरूप बदल चुका है। अब ट्रैक्टर और आधुनिक मशीनों ने हल और बैलगाड़ियों की जगह ले ली है, जबकि डेयरी उद्योग और पोल्ट्री फार्मिंग तेजी से विकसित हुए हैं। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल है, जहां पशुपालन केवल खेती का सहायक साधन नहीं बल्कि एक स्वतंत्र उद्योग बन चुका है। हालांकि, बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और चरागाहों की कमी के कारण पशुधन पर दबाव भी बढ़ा है। विशेषज्ञों का मानना है, संसाधनों का उपयोग एवं वर्गीकरण सही तरीके से होगा। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल सकती है। 1935 के आंकड़े न केवल इतिहास की झलक देते हैं, बल्कि वर्तमान नीतियों और भविष्य की योजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। वर्ष 2026 की जनगणना में सरकार को पालतू पशुओं को भी गणना में शामिल किया जाना चाहिए। आबादी और पशुधन को भी जाति-वर्ग के आधार पर शामिल किया जाए, इससे भारत का सामाजिक एवं आर्थिक विकास तेज होगा।

भारत के विदेश सचिव मिसरी जाएंगे काठमांडू, सर्जियो गोर 30 को पहुंचेंगे नेपाल

नई दिल्ली। 30 अप्रैल को सर्जियो गोर काठमांडू पहुंच आ रहे हैं। इसके करीब दो हफ्ते बाद ही भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री के भी नेपाल यात्रा की योजना है। नेपाल में बालेन शाह की सरकार बनने के बाद से किसी बड़े भारतीय अधिकारी का यह पहला आधिकारिक नेपाल दौरा होगा। चीन तो पहले ही अपने कई दूतों को वहां भेज चुका है। सवाल है कि आखिर नेपाल में चल क्या रहा है?

नेपाल में जब से पीएम बालेन शाह ने कमान संभाली है, अमेरिका और चीन दोनों ने ही युवा पीएम पर कूटनीतिक डोरे डालने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ऐसे में भारत के विदेश सचिव के काठमांडू जाने की अहमियत और बढ़ गई है। इस दौरान विदेश सचिव नेपाली नीडम बालेन शाह को भारत आने का औपचारिक न्योता भी देने वाले हैं। इसी महीने की शुरुआत में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की मॉरीशस में विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत हो चुकी है। दोनों नेता नौंवें हिंद महासागर कॉन्फ्रेंस के लिए वहां पहुंचे थे, जहां नेपाल की प्राथमिकता के हिसाब से वहां चल रहे प्रोजेक्ट को पूरा किए जाने को लेकर भी दोनों में बातचीत हुई थी।

भारत और नेपाल सांस्कृतिक और सभ्यतागत तौर पर एक-दूसरे से आदिकाल से अटूट डोर से जुड़े हुए हैं। दोनों देशों का जन-जन रोटी-बेटी वाले संबंधों का जिक्र यूं ही नहीं करता, लेकिन अमेरिका और चीन जिस तरह से नेपाल की नई सरकार पर प्रभाव जमाने की कोशिश कर रहे हैं, वह भारत के सामरिक-सांस्कृतिक हित के लिए भी बहुत अहम है। नेपाल भारत और चीन के बीच एक बफर स्टेट की भूमिका में है। भारत की मौजूदा नेबरहूड फर्स्ट पॉलिसी के तहत यूं भी नेपाल हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक मई 2014 के बाद से दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच 17 बार द्वपक्षीय मुद्दों पर चर्चाएं हो चुकी हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को ट्रंप ने दक्षिण और मध्य एशिया का विशेष दूत भी बनाया है। इसी रोल में वह 30 अप्रैल को काठमांडू जाने वाले हैं। हालांकि, नेपाली पीएम बालेन शाह से उनकी मुलाकात अभी तय नहीं हुई है। सर्जियो गोर से पहले अमेरिका के सहायक विदेश सचिव समीर पॉल कपूर की नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल और वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले से मुलाकात हो चुकी है।

चीन की तरफ से चीन के विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के विभाग की उप महानिदेशक काओ जिंग नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय और संयुक्त सचिव भ्रिगु धुंगाना से मुलाकात कर चुकी हैं। भारत और चीन के बीच होने की वजह से नेपाल का अपना एक रणनीतिक महत्त्व है। अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लगातार अपना प्रभाव बढ़ाने में जुटा है। वहीं चीन अपने दक्षिणी हिस्से को सुरक्षित रखना चाहता है, ताकि तिब्बत के आसपास बाहरी प्रभाव बढ़ने न पाए। चीन वहां अपने बेल्ट एंड रोड इनिएशिटिव से जुड़े प्रोजेक्ट को भी बढ़ाना चाहता है, जिसकी वजह से वह केपी शर्मा ओली की तरह की वामपंथी सरकारों को परोक्ष तौर पर बहकाता आया है, जबकि अमेरिकी मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन कॉम्पैक्ट जैसे विकास योजनाओं पर काम करना चाहता है।

भारत की आधी आबादी को सम्मान दे रही भाजपा-नीतिन नबिन

वाराणसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबिन ने मंगलवार को वाराणसी में नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आधी आबादी को वह सम्मान दिया है, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं दे सकीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से करो ?ॉं महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को घर का मालिकाना हक दिया गया, जिससे उनका सामाजिक सम्मान ब ?ा है। इसके अलावा बेटी बचाओ बेटी प ?ाओ जैसी योजनाओं ने बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई है।

अपने संबोधन में नीतिन नबिन ने काशी की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक शहर या भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है। जिस प्रकार मां गंगा भारतीय संस्कृति को सिंचित करती हैं, उसी प्रकार देश की महिलाएं परिवार और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सीएम फडणवीस का बयान, आरोपी जैब अंसारी की हिंदू समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाने की थी इच्छा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीरा रोड में संदिग्ध लोन वुल्फ हमले पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि यह स्व-कट्टरपंथ का मामला दिखाता है, क्योंकि जांचकर्ताओं को आरोपी जैब अंसारी के घर से आपत्तिजनक सामग्री मिली है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध की जिहाद के नाम पर हिंदू समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाने की इच्छा थी। दरअसल अमेरिका से लौटे 31 साल के एक व्यक्ति को चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस हमले में मीरा रोड पर दो सुरक्षा गार्ड घायल हो गए थे। इसके बाद में यह मामला महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) की ठाणे यूनिट को सौंपा गया। यह कदम तब उठाया गया जब इसतरह के दावे सामने आए कि आरोपी ने गार्डों को इसलिए चाकू मारा क्योंकि उन्होंने एक धार्मिक आयत पढ़ने से इंकार किया था।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में सीएम फडणवीस ने कहा कि यह स्व-कट्टरपंथ का मामला प्रतीत होता है। आरोपी के आवास से कुछ किताबें और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। वह अमेरिका में रहता था और हाल ही में भारत लौटा था। उन्होंने कहा, शुरुआती जाँच से पता चला है कि वह कट्टरपंथी बन गया था और जिहाद के नाम पर हिंदू समुदाय के सदस्यों पर हमला करने की इच्छा रखता था, इसकारण इस घटना को अंजाम दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं, और जांच में आरोपियों से परे जाकर यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या इसमें कोई बड़ा नेटवर्क शामिल था। जाँच का दायरा केवल आरोपी तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन व्यक्तियों या नेटवर्क की भी जाँच होगी, जो उसके कट्टरपंथी बनने के पीछे थे। किसी भी संभावित साजिश का पर्दाफ़ाश करने के लिए पूरे मामले की गहन जाँच की जाएगी।

पुलिस ने बताया कि जैब अंसारी आरोपी, जो अमेरिका में 19 साल बिताने के बाद 2019 में भारत लौटा था, सुबह 4 बजे हुए हमले के तीन घंटे के अंदर ही गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी जैब अंसारी ने मीरा रोड ईस्ट के नया नगर में अस्मिता ग्रैंड मेंशन कॉम्प्लेक्स की कंस्ट्रक्शन साइट पर पीड़ितों राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो सेन पर हमला किया। यह हमला तब हुआ जब एक बहस हिंसक हो गई। दोनों गार्ड्स को कई चोटें आईं। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया, क्योंकि इसमें धार्मिक पहलू होने की अफवाहें फैलने लगीं।

पदमेश न्यूज़

शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

उल्टी ढोडी मोड़ पर डिवाइडर से टकराई मोटरसाइकिल एक की मौत- एक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के खवासा रोड पर उल्टी ढोडी मोड़ के पास सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के डिवाइडर से टकराने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि दूसरा व्यक्ति घायल हो गया। मृतक इतवारी लाल पिता हरि लाल वरकड़े 36 वर्ष ग्राम तिरोड़ी हाल खरपड़िया निवासी है वहीं घायल

विनोद पिता राजेश सलामी 42 वर्ष वार्ड नंबर 5 खरपडिया निवासी है जिसका इलाज कटंगी के अस्पताल में किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 अप्रैल को दोपहर करीब 12:30 बजे इतवारी लाल वरकड़े और विनोद सलामी मोटरसाइकिल से सीतापठौर से अपने गांव खरपडिया लौट रहे थे। इतवारी लाल मोटरसाइकिल चला रहा था। उल्टी ढोडी मोड़ पर अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड किनारे बने डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इतवारी लाल की मौके पर ही मौत हो गई। विनोद को मामूली चोटें आईं जिसे इलाज के लिए कटंगी अस्पताल ले जाया गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही तिरोड़ी थाने के सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक इतवारी लाल का शव कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए कटंगी अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।बताया गया कि इतवारी लाल और विनोद दोनों खेती मजदूरी का काम करते थे। 28 अप्रैल को दोनों अपने निजी काम से मोटरसाइकिल से सीतापठौर गए थे। काम निपटाकर लौटते समय यह हादसा हो गया।फिलहाल तिरोड़ी पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे की वजह माना जा रहा है।

प्रदेश में जंगली भैंसा प्रजाति का पुनर्स्थापन ऐतिहासिक अवसर-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के सूपखार में किया जंगली भैंसा पुर्नास्थापन का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी।

वन्य प्राणियों से समृद्ध होंगे प्रदेश के वन, स्थानीय स्तर बढ़ेगा टूरिज्म और लोगों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंस का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मध्य प्रदेश के वन्य जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंस के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इकोसिस्टम को मदद मिलेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियों के वन्यजीवों को मध्य प्रदेश में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म के माध्यम से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जंगली भैंसों की ट्रांसलोकेशन से असम के साथ मध्यप्रदेश का एक नया रिश्ता कायम हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिश्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्य प्रदेश में मगरमच्छ, घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। मध्य प्रदेश की धरा हर तरह के वन्य प्राणियों से समृद्ध है। कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर प्राणियों के पुनर्स्थापना से प्रदेश के समृद्ध वनों में वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है, मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढ़ियों को लाभ देगा। राज्य सरकार प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय ले रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से वर्ष 2022 में चीतों का पुनर्वास हुआ। आज सुपर कूनो अभ्यारण के बाद गांधी सागर अभ्यारण्य में भी चीते दौड़ लगा रहे हैं। सागर के पास नोरादेही अभ्यारण में भी चीतों को बसाने की पूरी तैयारी है। यह सभी कार्य प्रदेश के लिए धरोहर होंगे। इस अवसर पर सांसद श्रीमति भारती पारधी, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम, मध्य प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव श्रीमती समिता राजौरा, जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, कान्हा टाईगर रिजर्व के अधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जंगली भैसा पुनर्स्थापन के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जंगली भैसों को काजीरंगा से कान्हा लाने वाली टीम के प्रत्येक सदस्य को 10 हजार रुपये देने की घोषणा

अंतर-राज्यीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, कांजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को लिया गया। 25 अप्रैल 26 को 4 जंगली भैंसों ने कांजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलोमीटर की यात्रा की। इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभवी पशु चिकित्सकों की देख-रेख में किया गया है।आज दिनांक 28 अप्रैल 2026 इन्हें सूपखार, कान्हा टाइगर रिज़र्व में स्थित बाड़े में सॉफ्ट रिलीज़ किया जा रहा है। स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंसे की प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगी और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी। वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्य के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व की टीम, डॉक्टरों और स्टाफ की सराहना करते हुए प्रत्येक सदस्य को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक

बी.टेक. पॉलिटेक्निक

JOB SAHi

- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

ADMISSION OPEN

नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट

6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

डीजे गाड़ी के लोहे के डंडे से मोटरसाइकिल टकराई-दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम आंवलाझरी से टवेझरी के बीच रेलवे क्रॉसिंग के पास डीजे गाड़ी में लगे लोहे के डंडे से मोटरसाइकिल टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों घायल देवेंद्र पिता दुर्गा प्रसाद ठाकरे 31 वर्ष टवेझरी और राजू पिता रामचंद्र सहारे 42 वर्ष ग्राम नवेगांव निवासी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवेंद्र ठाकरे शक्ति रोड लाईंस ट्रांसपोर्ट मे काम करता है। 27 अप्रैल की रात्रि 8:00 देवेंद्र ठाकरे अपने साथी राजू सहारे के साथ मोटरसाइकिल में तपेश आमाडारे की शादी समारोह में शामिल होंने ग्राम मंझारा गए थे। खाना खाने के बाद रात्रि 11:00 बजे करीब दोनों मोटरसाइकिल में ग्राम मंझारा से नवेगांव आ रहे थे। मोटरसाइकिल देवेंद्र ठाकरे चल रहा था। जब दोनों ग्राम टवेझरी के आगे आंवलाझरी रोड़ रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंचे ही थे, कि सामने से डीजे की गाड़ी आ रही थी जिसमें लगा लोहे के डंडा से मोटरसाइकिल टकरा गई। जिससे दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। उसी समय वहा टाटा एस वाहन पहुचीं जिससे दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

आवश्यकता है

पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता

युवक-4 पद, युवती 4 पद, मेनेजर 2 पद, वेतनमान-योग्यता अनुसार

सम्पर्क करें- रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड़ , अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी

मों.नं.6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

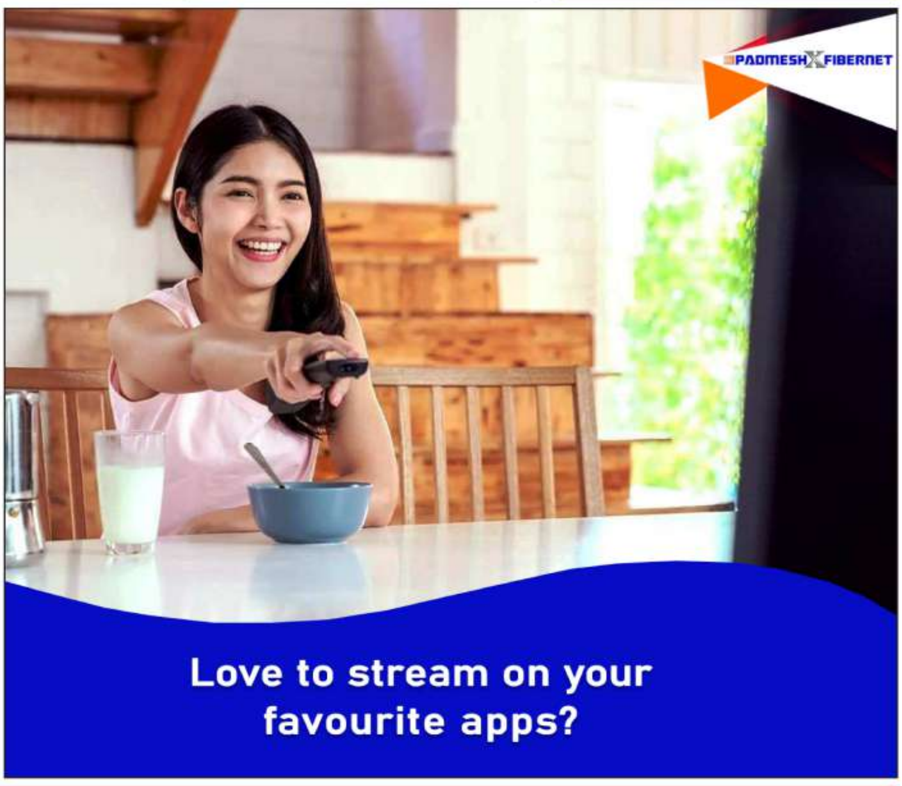

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट